mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-320 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

21 नवंबर 2024 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

बीसीसीआई ने ...
@ पेज 7

एमपी-राजस्थान समेत 8 राज्यों में घना कोहरा

कानपुर में विजिबिलिटी-जीरो, कश्मीर के शोपियां में तापमान माइनस 3.9ए; 11 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में उत्तर भारत के राज्यों के साथ-साथ अब मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी ठंड लगातार बढ़ रही है। तापमान गिरने के साथ-साथ कोहरे का दौर भी शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने बुधवार को एमपी-राजस्थान समेत 8 राज्यों के कई जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। कोहरे का सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश में दिखा। कानपुर में विजिबिलिटी घटकर जीरो और लखनऊ में 50 मीटर रह गई। बिहार के पूर्णिया, पंजाब के बठिंडा, हरियाणा के सिरसा और एमपी के ग्वालियर में विजिबिलिटी 500 मीटर दर्ज की गई।

जम्मू-कश्मीर में 3 दिन से जारी बर्फबारी का दौर बुधवार को थम गया है। श्रीनगर में तापमान 0.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। शोपियां देश का सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान माइनस 3.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उधर, राजस्थान के सीकर में तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण भारत के राज्यों में ठंड का असर उत्तर भारत के राज्यों से कम है। मौसम विभाग ने यहां बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, लक्षद्वीप के अलावा बुधवार को अंडमान-निकोबार, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश का अनुमान है। असम और मेघालय में ओले गिरने का भी अनुमान है। तमिलनाडु के कई जिलों में तेज बारिश का दौर 2 दिन से लगातार जारी है।

संक्षिप्त समाचार

एग्जिट पोल

महाराष्ट्र के 10 में से 6 एग्जिट पोल में महायुति की सरकार

- झारखंड में 5 पोल ने भाजपा सरकार का जताया है अनुमान

मुंबई/ रांची/ दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की 288 और झारखंड में दूसरे फेज की 38 विधानसभा सीटों पर बुधवार को वोटिंग खत्म हो गई। झारखंड में 13 नवंबर को पहले फेज में 42 सीटों पर वोटिंग हुई थी। राज्य में 81 सीटें हैं। दोनों राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में 10 एग्जिट पोल आए हैं। इनमें से 6 में भाजपा गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान जताया गया है, जबकि 3 में कांग्रेस गठबंधन की सरकार का अनुमान है। एक में किसी को बहुमत नहीं मिलता दिख रहा है। झारखंड के लिए अब तक 7 एग्जिट पोल आए हैं। 5 में भाजपा गठबंधन को तो 2 में कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिलने के आसार जताए गए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल चुनावी सर्वे हैं।

भारत ने महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप का फाइनल जीता

तीसरी बार ट्रॉफी जीती

नालंदा (एजेंसी)। बिहार के राजगीर में हुए महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी पर भारत ने कब्जा जमा लिया है। टीम इंडिया ने चीन को 1-0 से हरा दिया है। तीसरे क्वार्टर के पहले यानी मैच के 31वें मिनट में दीपिका ने टीम इंडिया के लिए पहला गोल किया, जिसने भारत को जीत दिलाई। पहले और दूसरे क्वार्टर के कुल 30 मिनट के खेल में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। भारत और चीन की टीमें 0-0 की बराबरी पर रही। दूसरे क्वार्टर में भारत को 4, चीन को 2 पेनाल्टी कॉर्नर मिले। हालांकि कोई भी टीम इन्हें गोल में तबदील नहीं कर सकी। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में शाम 5 बजे भारत और चीन की महिला हॉकी टीमों के बीच फाइनल मुकाबला शुरू हुआ था। 3 हजार की कैपिसिटी वाला स्टेडियम दर्शकों से पूरा भरा रहा। स्टेडियम में तिरंगा लहराया गया। जय श्रीराम के नारे भी लगे।

एलएसी विवाद पर 5 साल बाद होगी 'विशेष' बैठक

भारत और चीन के बीच बन गई सहमति

रियो डी जेनेरियो (एजेंसी)। ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो में दो दिन तक चली ब्रिक्स20 समिट का समापन हो गया है। इस दौरान भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई। इसमें दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर 5 साल बाद विशेष प्रतिनिधियों की बैठक बुलाने पर सहमति बनी। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चाइनीज फॉरेन मिनिस्टर वांग यी ने दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान और कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू करने पर भी चर्चा की। कोविड महामारी के बाद से ही इन दोनों पर रोक लगा दी गई थी।

महाराष्ट्र-झारखंड में वोटिंग खत्म, अब फैसले का इंतजार

महाराष्ट्र में सुस्त रही वोटिंग की रफ्तार, झारखंड में उमड़े मतदाता

बीड में निर्दलीय प्रत्याशी की हार्ट अटैक से मौत, कई जगह टकराव

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की सभी 288 विधानसभा सीटों वोटिंग खत्म हो गई है। मतदान का समय सुबह 7 से शाम 6 बजे तक का था। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। राज्य में लगभग 65 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े। गढ़चिरौली में सबसे ज्यादा 69.63 फीसदी और मुंबई सिटी में सबसे कम 49.07 फीसदी वोट डाले गए। कांग्रेस नेता श्रीनिवास ने शिरडी में फर्जी मतदान का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि धुले की रहने वाली लड़की ने शिरडी में मतदान किया है। वहीं, धुले के एक पोलिंग बूथ पर भाजपा और वंचित बहुजन अघाड़ी के कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट हुई। उधर, कैश कांड पर भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि यह एक साजिश है।

5 राज्यों की 15 विधानसभा सीटों पर मिलीजुली वोटिं

4 राज्यों की 15 विधानसभा और नांदेड़ लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव की वोटिंग खत्म हो गई। 23 नवंबर को रिजल्ट आएगा। यूपी के मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर सीट पर उपचुनाव की वोटिंग के दौरान भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस को जान बचाकर भागना पड़ा। बाद में ककरौली थाने के इंस्पेक्टर राजीव शर्मा ने भीड़ को खदेड़ने के लिए वहां मौजूद महिलाओं पर रिवॉल्वर तान दी और कहा- यहां से चली जाओ, नहीं तो गोली मार दूंगा।

झारखंड में जेएमएम विधायक और भाजपा समर्थकों में धक्का-मुक्की

झारखंड विधानसभा चुनाव के आखिरी और सेकेंड फेज में बुधवार को 12 जिलों की 38 सीटों पर वोटिंग शाम पांच बजे खत्म हो गई। शाम 5 बजे तक 67.59 फीसदी वोटिंग हुई है। हालांकि, फाइनल आंकड़ा आना अभी बाकी है। वहीं, शाम साढ़े चार बजे गिरिडीह के होली स्कूल के बूथ पर जेएमएम और भाजपा समर्थक आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है कि कुछ लोग बोगस वोटिंग कर रहे थे, इसका भाजपा समर्थकों ने विरोध किया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे जेएमएम विधायक सुदिव्य कुमार सोनू से भी धक्का-मुक्की हुई। इससे पहले दोपहर में भाजपा ने गांडेय विधानसभा के कुंडलवादाह के बूथ नंबर 282 और 338 के पोलिंग एजेंटों पर जेएमएम के पक्ष में मतदान कराने का आरोप लगाया है। जानकारी मिलने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लिया है। भाजपा ने सीसीटीवी फुटेज भी जारी किया है। गांडेय सीट से सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मैदान में हैं। इस फेज की 38 सीटों में भाजपा 32 और आजसू 6 सीटों पर चुनाव लड़ी। वहीं, इंडिया ब्लॉक में झामुमो 20, कांग्रेस 12, राजद 2 और माले 4 सीटों पर लड़ा।

यूक्रेन के बहाने अमेरिका को डराने में लगे पुतिन

रूस की नई परमाणु नीति से सहमी दुनिया

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने देश के परमाणु नीति के एक अपडेट डॉक्यूमेंट को मंजूरी दे दी है। यह डॉक्यूमेंट उन परिस्थितियों को रेखांकित करता है जिनके तहत मॉस्को परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। यह रूस की नीति में एक बड़े बदलाव को दिखाता है।

इन बदलावों ने वैश्विक सुरक्षा को लेकर नए सिरे से चिंताएं पैदा कर दी हैं, खास तौर से तब जब यूक्रेन का युद्ध बढ़ता जा रहा है। डॉक्यूमेंट में घोषणा की गई है कि किसी भी परमाणु ताकत की ओर से समर्थित देश अगर रूस पर हमला करता है तो इसे उनके देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा। पुतिन की नई परमाणु नीति के मुताबिक रूस पर कोई भी बड़ा हवाई हमला परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। पुतिन ने परमाणु नीति में बदलाव रूस-

यूपी के नोएडा के पास बसाया जा रहा नया शहर

सर्वे हुआ शुरू, जल्द होगा भूमि अधिग्रहण का

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक नया शहर बसाया जाएगा। न्यू नोएडा के नाम से बसाए जा रहे इस शहर का विकास डेडीकेटेड दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन के तहत किया जाएगा। इसके मास्टर प्लान को पिछले दिनों ही शासन से मंजूरी मिली थी। इसके बाद जमीन अधिग्रहण के लिए सर्वे का काम भी शुरू हो गया है। इस शहर को बसाने के लिए जोखाबाद गांव में अस्थायी कार्यालय खोला जाएगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने हाल ही में बुलंदशहर के सिकंदराबाद का सर्वे किया। इस कार्यालय से भूमि अधिग्रहण किया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा भवन के निर्माण में तेजी लाएगी सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा की चंडीगढ़ में नई विधानसभा बनने को लेकर चल रहे विवाद के बीच स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि नई विधानसभा भवन बनाने की जो प्रक्रिया आलरेडी चली हुई है। जमीन को लेकर उस प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि इसी कार्यकाल में विधानसभा बनाया जा सके। सरकार भी इस काम में तेजी से काम कर रही है। हरविंदर कल्याण ने यह बयान विधानसभा सत्र के संपन्न होने के एक दिन बाद बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया है। उन्होंने ये भी कहा विधानसभा भवन में लाइब्रेरी के अंदर एक ऐसा सेल बनायेंगे ताकि किसी भी सदस्य को विधायी कार्यों में कोई जानकारी चाहिए तो उन्हें सही तरीके से मिल सके और मदद मिलेगी।

बिहार के सवा लाख नियोजित शिक्षकों के लिए गुड न्यूज

जहां हैं वहीं रहेंगे, अभी नहीं होगा ट्रांसफर, सीएम नीतिश का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने नियोजित शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि उन्हें उनके वर्तमान पदस्थापन स्थान पर ही विशिष्ट शिक्षक का दर्जा दिया जाएगा। पटना में बुधवार को आयोजित एक समारोह में 1 लाख 14 हजार 138 नियोजित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विशिष्ट शिक्षक बनने के बाद भी सभी शिक्षक अपने वर्तमान स्कूलों में ही पढ़ाते रहेंगे। इससे पहले यह चर्चा थी कि विशिष्ट शिक्षक बनने के बाद नियोजित शिक्षकों का तबादला दूसरे जिलों या स्कूलों में किया जा

सकता है। इससे शिक्षकों में काफी बेचैनी थी। मुख्यमंत्री ने इसी बेचैनी को दूर करते हुए कहा, नियोजित शिक्षकों को हम लोग (सरकार) सरकारी शिक्षक बना रहे थे। बात चल रही थी कि लेडी टीचरों को अलग और जेंट्स शिक्षकों को अलग पोस्टिंग मिलेगी। इसको लेकर ये नियोजित शिक्षक अपनी नई पोस्टिंग को लेकर परेशान हैं।

हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि नियोजित शिक्षक अभी जहां काम कर रहे हैं, अब वहीं विशिष्ट शिक्षक बनकर पढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिन शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है, उनमें 98,349 प्रारंभिक शिक्षक, 12,524 माध्यमिक शिक्षक और 3,265 उच्च माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बाकी बचे 85,609 नियोजित शिक्षकों को भी जल्द ही एक सामान्य परीक्षा के माध्यम से विशिष्ट शिक्षक बनने का मौका दिया जाएगा। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने 200 शिक्षकों को खुद अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे।

मणिपुर में ताजा हिंसा के लिए चिदंबरम हैं जिम्मेदार

सीएम बीरेन सिंह ने पूर्व केन्द्रीय गृहमंत्री पर लगाए कई गंभीर आरोप

कहा-केंद्रीय गृहमंत्री रहते उन्होंने किया था उग्रवादी गुटों से समझौता

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फिर से हिंसा का दौर शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में फिर से हिंसा पी चिदंबरम की नीतियों के कारण शुरू हुई है। बीरेन सिंह ने चिदंबरम की एक पुरानी तस्वीर दिखाते हुए कहा- मणिपुर में ताजा हिंसा म्यांमार से आए अवैध अप्रवासियों के कारण हो रही है। ये ड्रग्स के व्यापार के लिए मणिपुर आए और अब पूरे नॉर्थ-ईस्ट को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। जब चिदंबरम यूपीए सरकार में केन्द्रीय गृह मंत्री थे, तब उन्होंने 12 से ज्यादा कुकी उग्रवादी ग्रुप और केंद्र-राज्य सरकार के बीच एक समझौता किया था। तब मणिपुर में कांग्रेस के ओ इबोबी मुख्यमंत्री थे। चिदंबरम और इबोबी म्यांमार के जोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी के अध्यक्ष थांगलियानपाउ गुइते को मणिपुर लाए थे। इस तस्वीर में गुइते और चिदंबरम हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। दरअसल, चिदंबरम ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कि मैतेई, कुकी-जो और नगा केवल तभी एक राज्य में साथ रह सकते हैं, जब उन्हें वास्तविक क्षेत्रीय स्वायत्तता मिले। चिदंबरम की पोस्ट से कांग्रेस ने किनारा कर लिया था। बाद में चिदंबरम ने पोस्ट भी डिलीट कर दी थी। इसी पोस्ट का जवाब देते हुए बीरेन सिंह ने कहा- मुझे चिदंबरम की पोस्ट देखकर हंसी आती है। मैं उन्हें इन तस्वीरों के जरिए याद दिलाना चाहता हूं कि उन्होंने ही इन विदेशियों को भारत में और मणिपुर में एंट्री लेने दी।

संभल की जामा मस्जिद का 2 घंटे तक हुआ सर्वे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद को लेकर विवाद सामने आया है। हिंदू पक्ष ने मस्जिद के श्रीहरिहर मंदिर होने का दावा किया है। इस मामले को लेकर हिंदू पक्ष कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने पूरे परिसर का सर्वे कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 29 नवंबर तक इसकी रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद मंगलवार देर शाम एडवोकेट कमीशन की टीम ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मस्जिद के अंदर सर्वे किया। पूरे परिसर की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की। इस दौरान स्थिति काफी तनावपूर्ण दिखाई दी। सर्वे की जानकारी होते ही मुस्लिम पक्ष में नाराजगी फैल गई। लोग मस्जिद के इर्द-गिर्द और छतों पर जमा हो गए। प्रशासन ने वादी महंत ऋषिराज को मस्जिद के पास से हटा दिया।

यूपी उपचुनाव में इलेक्शन कमीशन का बड़ा ऐक्शन

- कानपुर, अम्बेडकरनगर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर के कुल 7 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में दो पुलिस सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उपचुनाव की वोटिंग के दौरान गड़बड़ी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कड़ी कार्रवाई हुई है। चुनाव आयोग यूपी के सात पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इसमें मुरादाबाद में तीन,

मुजफ्फरनगर के दो और कानपुर के दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों पर आरोप लगा था कि वोट डालने जा रहे मतदाताओं के वोटर कार्ड चेक किए। उन्हें वोट डालने से रोका गया। चुनाव आयोग ने समाजवादी पार्टी की शिकायत पर यूपी के पुलिस अधिकारियों को पहले ही आदेश दे रखा था कि वह वोटरों के आईडी कार्ड चेक नहीं करेंगे। चुनाव आयोग की ओर से आदेश जारी किया गया है कि वैसे भी ये अधिकार चुनाव प्रक्रिया में ड्यूटी करने वाले अधिकारियों का होता है। पुलिस अधिकारियों या जवानों का यह अधिकार नहीं है।

सरकारी कामों में ठेका सिस्टम से अधिकारियों ने लिया सबक, अवैध कमाई पर भी जारी होने लगे टेंडर

निजी व्यक्तियों को सौंप दिया गया विभाग के व्यक्तिगत राजस्व को बढ़ाने का जिम्मा

आरटीओ, खनिज, और पुलिस की महीना एंट्री वसूली की मलाई में रोज का अलग से 50 हजार तक छाप रहे बिचौलिए

अवैध खनिज लोड और ओवर लोड वाहनों से ली जाती है फिक्सिंग राशि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केंद्र और प्रदेश सरकार ने विगत कई वर्षों से जिस तरह सरकारी कामकाजों को टेंडर सिस्टम के जरिए निजी व्यक्तियों तक पहुंचाने का काम किया है उसी तरह रीवा के अधिकारियों ने भी सरकार के कार्यों से सबक लेते हुए विभागों की अपनी निजी कमाई के लिए टेंडर सिस्टम जारी किया है जिससे बकायदे प्रायवेट व्यक्ति के द्वारा बिचौलिए का काम करते हुए तमाम विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों तक अवैध कमाई की राशि को पहुंचाकर उनके व्यक्तिगत राजस्व को बढ़ाने का काम किया जाता है। यहां यह काम मुख्य रूप से परिवहन विभाग, खनिज विभाग के साथ ही पुलिस विभाग के लिए किया जाता है जहां अधिकारियों को पैसा खिलाने का ठेका लिए प्रायवेट व्यक्ति मालवाहक वाहनों से पैसे की अवैध वसूली करके उन तक राशि को पहुंचा देते हैं।

दरअसल रीवा जिले में वाहनों की ओवरलोडिंग सरकारी विभागों के लिए मलाई खाने का काम करती है जिस वाहन में ओवरलोड सामग्री पाई जाती है फिर चाहे वह कोई भी सामग्री हो जैसे कि बालू, गिट्टी, मुरूम, या रोजमर्रा के उपयोग के लिए शहर में लाई जाने वस्तुएं इस तरह के तमाम मालवाहक ओवरलोड वाहनों की एक राशि फिक्स की गई है जो वाहन चालक ठेका लिए प्रायवेट व्यक्ति तक पहुंचाते हैं फिर वह राशि विभागीय अधिकारियों तक पहुंचती है। ऐसे में वाहन मालिक को भी अपनी वाहन में क्षमता से अधिक सामग्री लोड करने की परमिशन मिल जाती है और उससे सरकार को क्षति पहुंचाने के साथ ही हादसों का डर भी बना रहता है।

बताया जा रहा है कि रीवा शहर में प्रायवेट दलालों का जो समूह लगातार विचरण कर रहा है वह आरटीओ विभाग, खनिज विभाग तथा पुलिस विभाग के प्रत्येक थानों का जिम्मा ले रखा है तथा एंट्री वसूली के नाम पर यह लोग वाहनों से मनमाना पैसा ऐंठ लेते हैं जिससे इन तमाम सरकारी विभागों के अफसरों तक एंट्री की राशि पहुंचा दी जाती है और जिलेभर में अवैध वाहनों का संचालन होता है और जिलेभर में ओवरलोड होकर घूमते रहते हैं तथा इन प्रायवेट दलालों को एंट्री वसूली की राशि देने के बाद कोई भी विभाग इन वाहनों को छूने का प्रयास तक नहीं करता है।

जानकारी के मुताबिक महेंद्र,लाला, पिंटू और राजेश नाम के यह बिचौलिए हाईवा वाहनों के मालिकों से डायरेक्ट संबंध रखते हैं तथा सरकारी विभागों के अधिकारियों को भी समय समय पर उनका हिस्सा दे देते हैं जिसकी वजह से उनका रोजगार लगातार फल फूल रहा है और इन्हें कोई रोकने टोकने वाला भी नहीं है।

सूत्र बताते हैं कि सरकारी अफसरों के निजी राजस्व को वसूलने का ठेका जिन बिचौलियों ने लिया है इनके द्वारा विभागों की एंट्री राशि तो मात्र महीने में एक बार ही पहुंचाई जाती है परंतु यह व्यक्ति मालवाहक वाहनों से महीने की एंट्री के साथ ही प्रति वाहन रोज का 500 रुपए भी वसूल करते हैं जो पैसा केवल इनकी ही जेब में जाता है और प्रतिदिन यह करीब 100 वाहनों से 500-500 की राशि वसूलते हैं जो इनकी अलग ही कमाई होती है।

रोजगार मेले से 177 युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया।

इसमें 469 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 10 निजी कंपनियों ने इनमें से 177 युवाओं का चयन किया है। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले जीएमसीसी इंडिया लिमि. महसाणा फाटा अहमदनगर महाराष्ट्र में 8, बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा. लि. इंदौर में 15, द ई पाई डाट काम (हावेल्स सोलर प्लांट) रीवा में 44, ग्रोफास्ट एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा में 6, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल में 23, प्रगतिशील बायोटेक रीवा में 13, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा में 37, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस में 25 भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा में 5 तथा एसआईएस लिमिटेड (इंडिया) सिंगरौली में एक युवा का चयन किया गया है। रोजगार मेले के सफल आयोजन में विज्ञान महाविद्यालय, जिला रोजगार कार्यालय तथा आईटीआई रीवा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वय से प्रयास किया।

त्रिस्तरीय पंचायत के उप निर्वाचन हेतु आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2024 उत्तरार्ध हेतु राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुपालन में संबंधित ग्राम पंचायतों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है, जो निर्वाचन परिणाम घोषित होने तक जारी रहेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि जिले के रीवा जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवरा के वार्ड 16, मैदानी के वार्ड 19, धोबखरी 298 के वार्ड 12, मड़वा के वार्ड 4, भोलगढ़ वार्ड 13 तथा खौर के वार्ड 11 के पंच पद के निर्वाचन हेतु आदर्श आचरण संहिता संबंधित क्षेत्र में प्रभावशील रहेगी। जबकि रायपुर कर्चुलियान जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत पथरहा के वार्ड 15, कुइयांखुर्द के वार्ड 3 एवं 15, दुआरी के वार्ड 8 एवं 9, गंगेव जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत तिवनी के वार्ड 14, सहेबा के वार्ड 3, मढ़ीकला के वार्ड 14, अगडाल के वार्ड 4, सिरमौर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बरा के वार्ड 19, बधरा के वार्ड 18, दुबगवां के वार्ड 12 व सदहना के वार्ड 2, जवा जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत कटांगी में सरपंच पद तथा पैरा के वार्ड क्रमांक 3 एवं 17 के पंच पद के लिए, कशियारी के वार्ड 5, घूमन के वार्ड 4 तथा त्योंथर जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत बरह।

240 शीशी नशीली सिरप के साथ अवैध पिस्टल व जिंदा करतूत लिए पकड़ाए युवक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र स्थित करहिया नंबर एक की सड़क से पल्सर मोटर साइकिल में सवार होकर जा रहे रहे 2 युवकों को पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया है जिनके पास से पुलिस की टीम ने 240 सीसी नशीली कफ सिरप कोरेक्स बरामद की है इसके साथ ही पुलिस के द्वारा आरोपियों के पास से एक नग पिस्टल के साथ ही जिंदा कारतूस भी जब्त किया गया है जिसे यह आरोपी अवैध तरीके से इस्तेमाल कर रहे थे वहीं पुलिस ने जिस मोटर साइकिल वाहन के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया है उसे भी जप्त कर लिया गया है।

बताया जा रहा है कि पुलिस की टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि पल्सर बाइक में सवार होकर 2 आरोपी नशीली सिरप लेकर जा रहे हैं जिसके बाद तत्काल पुलिस की टीम ने एक्टिव होकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कमिश्नर ने की स्वेच्छा से रक्तदान की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के 4 प्रमुख जिलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। रीवा जिले में 27 नवम्बर को कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके साथ-साथ सतना में 22 नवम्बर तथा सिंगरौली जिले में 29 नवम्बर को जिला मुख्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि 18 से 50 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति प्रत्येक 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी व्यक्ति के प्राण बचाने के काम आयेगा। संभाग में नवम्बर माह में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। हर व्यक्ति स्वयं रक्तदान करके शिविर को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही अन्य लोगों के लिये प्रेरित करें।

ग्रामीण इलाकों में ठप पड़े राजस्व के कामकाज, बाबुओं के सहारे चल रही व्यवस्था

दोपहर महज 12 से 3 बजे तक के लिए खुलते हैं जिले के तमाम अनुविभागीय कार्यालय

ग्रामीण क्षेत्र के अफसरों ने शहर में बनाया बसेरा, दोपहर के तीन बजते ही शुरू हो जाती है घर पहुंचने की कुलबुआहट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश सरकार ने प्रदेश भर में सरकारी दफ्तरों के संचालन के लिए सुबह 10 बजे से लेकर सायं कालीन 5 बजे तक के लिए कार्यालयों की समय सारिणी तय कर के राखी है वहीं प्रत्येक अनुविभाग मुख्यालय में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों के विश्राम के लिए भी बकायदे सरकारी निवास दिए गए हैं जिससे राजस्व विभाग से जुड़े लोगों के किसी तरह के कामकाज प्रभावित न हो और आसानी से आमजनता की समस्याओं का निराकरण हो सके। परंतु रीवा जिले कहानी ठीक इससे उलट ही देखने को मिल रही है जहां तमाम अनुविभागीय कार्यालय दोपहर के 12 बजे खुलते हैं और 3 बजते ही यहां तैनात कर्मचारी और अधिकारी अपने घर जाने की राग अलापने लगते हैं जिससे आमजनता खुद को ठगा सा महसूस करती है कि सरकार ने उनकी जेब से पैसे निकालकर क्या आराम फरमाने के लिए ही विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति दी जाती है और उनकी परेशानी जस की तस ही बनी रहती है।

दरअसल रीवा जिले में राजस्व कार्यालय के विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही चरम पर है। किसी को आमजन के समय व उच्च अधिकारियों के बनाए नियमों व कानूनों का कोई खौफ नहीं है। अव्यवस्था के चलते आमजन को अपने कार्यों के लिए इन सरकारी कार्यालयों के चक्कर पर चक्कर लगाने पड़ते हैं। मगर फिर भी यहां न तो कोई अधिकारी मिलते और न ही कर्मचारी जिससे लोग दफ्तरों के चक्कर काटते हुए पुनः अगले दिन अपने काम की समस्या लिए भटकते रहते हैं।

बताया जा रहा है कि जिले भर के तमाम अनुविभागीय कार्यालयों में अगर चपरासी को छोड़ दिया जाए तो कोई भी कर्मचारी 12 बजे से पहले दफ्तर में नहीं पहुंच पाते हैं और इसकी मुख्य वजह जो निकल कर सामने आई है उसे सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे कि आखिर कर्मचारी 12 बजे से पहले दफ्तर क्यों नहीं पहुंच पाते हैं। असल में जानकारी यह निकल कर सामने आई है कि कोई भी कर्मचारी इसलिए समय पर कार्यालय नहीं पहुंच पाता है क्योंकि उन्होंने अपना बसेरा मुख्यालय से दूर रीवा शहर में बना लिया और दोपहर के 3 बजते ही उन्हें जल्दी अपने समय पर ही घर पहुंचने की याद सताने लगती है तो सभी कर्मचारी पुनः दोपहर 3 बजे अपनी कुर्सी को छोड़कर रीवा शहर में बनाए गए अपने निवास के लिए निकल पड़ते हैं।

इस बात की पुष्टि तब जाकर सही मायने में निकलकर सामने आई जब बुधवार की दोपहर रायपुर ब्लाक के राजस्व अधिकारी कार्यालय पहुंची खुद दैनिक मीडिया ऑडीटर की टीम को कार्यालय से अधिकांश अधिकारी नदारद मिले यही हाल अन्य तहसील व अनु. कार्यालय का भी रहा। कार्यालय में रिक्त पड़ी सीटें व्यवस्थाओं को स्वयं बयान कर रही थी। जिसके बाद दैनिक मीडिया ऑडीटर की टीम ने प्रत्येक अनुविभाग कार्यालयों में जाकर सत्यता को जाना और तब निकलकर सामने आया कि जनता तो दफ्तरों के चक्कर काटने के लिए ही है। ग्रामीण क्षेत्रों के हालात तो ऐसे थे कि खंड एवं पंचायत अधिकारी स्वयं भी अपने कार्यालय मे डेढ़ बजे तक मौजदू नहीं थे। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें अपने छोटे-छोटे कार्यो के लिए भी दर्जनों बार तहसील की दौड़ लगानी पड़ती है। मौके पर अधिकारी से उनकी मुलाकात नहीं होती व कर्मचारी चुप्पी साध जाते हैं। बुधवार को मीडिया की टीम ने देखने में पाया कि पांच कर्मचारियों की हाजरी रजिस्टर में दर्ज थी, जिसमें से केवल एक ही कर्मचारी मौजूद था। एक कर्मचारी के बारे में पता चला कि वह बुढ़ापा पेंशन बांटने गया हुआ है, बाकि किसी कर्मचारी का कोई पता नहीं चल सका। इसी के चलते आए दिन सरकारी कार्यालयों में नियमों की धज्जियां भी उड़ती रहती हैं और आमजन दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर होते रहते हैं।

आपको बता दें कि हमेशा ही प्रत्येक जिलाधिकारियों के द्वारा कार्य संभालते ही सभी अफसरों व कर्मचारियों को कार्य में ढिलाई न बरतने की हिदायत दी जाती है । लेकिन कर्मचारियों पर इन आदेशों का कोई असर नहीं पड़ता। और कार्यालय में आए जरूरतमंद लोग हर रोज वापिस खाली हाथों अपने घरों की ओर चले जाते हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर बाल संप्रेक्षण गृह में इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर बाल संप्रेक्षण गृह में आईटीआई के सहयोग से इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है। बाल संप्रेक्षण गृह के बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनके कौशल उन्नयन के उद्देश्य से आईटीआई के प्रशिक्षक इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि गत दिनों कलेक्टर ने बाल संप्रेक्षण गृह का औचक निरीक्षण किया था तथा बच्चों से संवाद करते हुए उनकी रूचि को भी जाना था। बच्चों ने कम्प्यूटर सीखने, पढ़ने तथा इलेक्ट्रीशियन व मोटर मैकेनिक का प्रशिक्षण प्राप्त करने की बात कलेक्टर से कही थी। कलेक्टर ने तत्काल प्रशिक्षण की व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने तथा प्रशिक्षण किट सहित अन्य आवश्यक उपकरण खरीदने के निर्देश दिये थे। कलेक्टर के निर्देश पर बाल संप्रेक्षण गृह में बच्चों को इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण देना प्रारंभ कर दिया गया है।

किसानों के लिए वरदान है सुपर सीडर नरवाई का निदान और बुवाई एक साथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी का उदाहरण सुपर सीडर है। सुपर सीडर ट्रैक्टर के साथ जुड़कर कार्य करने वाला ऐसा यंत्र है जो नरवाई की समस्या का निदान करने के साथ-साथ बुवाई भी करता है। जो किसान धान की खेती के बाद गेंहू और चने की बुवाई करते हैं उनके लिए यह अत्यंत उपयोगी है। सुपर सीडर धान अथवा अन्य किसी भी फसल के डंठल जिसे नरवाई कहा जाता है उसे आसानी से छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी मे मिला देता है। इसके उपयोग से नरवाई को जलाने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे एक ओर पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण होता है वहीं दूसरी ओर मिट्टी के ऊपरी परत के उपयोगी जीवाणुओं के जीवन की रक्षा भी होती है। सुपर सीडर से नरवाई वाले खेत में सीधे गेंहू, चने अथवा अन्य फसल की बोनी की जा सकती है। इसके उपयोग से किसान को नरवाई की झंझट से मुक्ति मिलती है। जो नरवाई किसान के लिए समस्या है उसे सुपर सीडर खाद के रूप में बदलकर वरदान बना देता है।

संभागीय कृषि अभियांत्रिकी विभाग सतना में सुपर सीडर उपलब्ध हैं। शासन की योजनाओं के तहत किसान को सुपर सीडर खरीदने पर 40 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। सुपर सीडर सामान्य तौर पर एक घण्टे में एक एकड़ क्षेत्र में नरवाई नष्ट करने के साथ बुवाई कर देता है। गेंहू के बाद जिन क्षेत्रों में मूंग की खेती की जाती है वहाँ भी सुपर सीडर बहुत उपयोगी है। हार्वेस्टर से कटाई के बाद गेंहू के शेष बचे डंठल को आसानी से मिट्टी में मिलाकर सुपर सीडर मूंग की बुवाई कर देता है। सुपर सीडर के उपयोग से जुताई का खर्च बच जाता है। नरवाई नष्ट करने, जुताई और बुवाई एक साथ हो जाने से खेती की लागत घटती है। जिन किसानों के पास ट्रैक्टर हैं उनके घर के शिक्षित युवा सुपर सीडर खरीदकर एक सीजन में एक लाख रुपए तक की कमाई कर सकते हैं। इसका लाभ लेने के लिए आवेदक आधार कार्ड, खतौनी, बैंक पासबुक, ट्रैक्टर के पंजीयन तथा पाँच हजार रुपए की धरोहर राशि के साथ एमपीऑनलाइन के कॉमन सर्विस सेंटर से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। धरोहर राशि का बैंक ड्राफ्ट सहायक कृषि यंत्री रीवा के नाम से बनवाना होगा। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के किसानों को जाति प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कृषि विकास में किया मंथन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान ने रीवा तथा शहडोल संभाग में कृषि एवं इससे जुड़े विभागों की विकास की समीक्षा की। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि विन्ध्य का किसान बहुत मेहनती है। यहाँ बाणसागर बांध से सिंचाई सुविधा में तेजी से वृद्धि हुई है। किसान को खेती की आधुनिक तकनीक से फसल उत्पादन, कृषि यंत्रीकरण तथा फसलों के विपणन में सहयोग करें। कलेक्टर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी साप्ताहिक बैठक में कृषि विकास से जुड़ी सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा करें। आप सबके थोड़े से प्रयास से लाखों किसानों का जीवन बेहतर हो जाएगा।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सहकारी बैंक के चेयरमैन के रूप में कलेक्टर कृषि यंत्रीकरण, पशुपालन तथा उद्यानिकी फसलों के ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से मंजूर करें। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से व्यक्तिगत मछली पालक किसानों को सहायता देकर आधुनिक तरीके से मछली पालन कराएं। मछली पालन से बहुत कम लागत में अच्छा लाभ मिल सकता है। खेती के साथ पशुपालन तथा मछली पालन करके ही खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। श्री सुलेमान ने कहा कि प्रत्येक जिले में पर्याप्त संख्या में बीज उत्पादक समितियों तथा किसान संघों का गठन कराएं।

इनके माध्यम से अच्छी गुणवत्ता के बीज तैयार कराकर किसानों को उपलब्ध कराएं। मुख्य फसलों के बीज के ब्राण्ड तैयार कराएं। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि प्रदेश में खाद की कमी नहीं है। गत वर्ष जितनी मात्रा में खाद का उठाव हुआ था उतनी मात्रा अब तक रीवा संभाग को प्रदान की जा चुकी है। कलेक्टर खाद के वितरण की समुचित व्यवस्था करें। सहकारी समितियों को आवंटित खाद का 70 प्रतिशत प्रदान करके उसका वितरण कराएं। किसानों की भीड़ केवल विपणन संघ के डबल लाक के नकद खरीदी केन्द्र में होती है। खाद की उपलब्धता तथा वितरण के संबंध में नियमित रूप से किसानों को जानकारी दें। उप संचालक कृषि निजी विक्रेताओं के खाद के नमूने लेकर नियमित जाँच कराएं। अमानक पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करें। नरवाई प्रबंधन के संबंध में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि नरवाई जलाने पर एक ओर जुर्माना लगता है दूसरी ओर खेती की मिट्टी की गुणवत्ता खराब होती है। यदि किसान ने नरवाई जलाई तो अगले साल एक हेक्टेयर में उसे एक बोरी यूरिया तथा आधा बोरी डीएपी अतिरिक्त रूप से फसल में देना होगा। नरवाई जलाना पर्यावरण की दृष्टि से भी बहुत हानिकारक है। सतना और रीवा जिले के सभी कस्टम हायरिंग सेंटरों में हैप्पी सीडर और सुपर सीडर की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसकी जानकारी किसान एप पर दर्ज कराएं जिससे किसान इनका सरलता से उपयोग कर सकें। सुपर सीडर और हैप्पी सीडर खरीदने के लिए भी किसानों को प्रेरित करें। हर जिले में पर्याप्त संख्या में दुग्ध सहकारी समितियों का गठन कराएं। दुधारू पशुओं के नस्ल सुधार के सभी लक्ष्य सेक्स सार्टेड सीमेन के माध्यम से पूरा कराएं। कृषि उत्पादन आयुक्त ने लक्ष्य पूरा न होने पर नाराजगी व्यक्त की। कृषि उत्पादन आयुक्त ने उद्यानिकी क्षेत्र को फसल अनुरूप चयन करने तथा किसान की रूचि के अनुसार उत्पादन करने के लिये प्रेरित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परिवहन सुविधा व बाजार की उपलब्धता को भी आधार मानकर उद्यानिकी फसल क्षेत्र का चयन करें। उन्होंने सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय बनाने तथा आर्थिक तौर पर सशक्त किये जाने पर बल दिया। बैठक में सीधी, शहडोल, रीवा तथा सतना जिले के विभिन्न हितग्राहियों व कृषकों से कृषि उत्पादन आयुक्त ने संवाद कर विभागीय योजनाओं की सफलता की जानकारी ली।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री अशोक वर्णवाल ने कहा कि खेती को बेहतर करने के लिए कार्ययोजना बनाकर निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। कृषि यंत्रीकरण का लाभ देने के लिए कलेक्टर लगातार इसकी समीक्षा करें। सतना जिले में 650 जीरो ट्रिल सीडड्रिल की बिक्री हुई है। इसकी जानकारी एप में दर्ज कर दें, जिससे अन्य किसान भी इनका उपयोग कर सकें। ई मण्डी तथा एमपी फार्मगेट एप के माध्यम से किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए प्रोत्साहित करें। विकासखण्ड स्तर पर मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाएं तत्काल शुरू कराएं। सीधी और सिंगरौली जिलों में जिन संस्थाओं को मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला की जिम्मेदारी दी गई है कलेक्टर उनका सत्यापन कराएं।

प्रमुख सचिव अशोक वर्णवाल ने अकार्यशील गृह निर्माण सहकारी समितियों में परीक्षण उपरांत कार्यवाही किये जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने सहकारी बैंकों की आडिट कराने तथा टर्मलोन बढ़ाने के अतिरिक्त वकाया राशि वसूली किये जाने की बात कही। श्री वर्णवाल ने निर्देश दिये कि 50 प्रतिशत से कम ऋण वसूली करने वाले बैंक मैनेजर तथा प्रतिमाह 10 से कम आडिट करने वाले आडीटर का वेतन रोकें।

तीर्थदर्शन ट्रेन आज शाम 7 बजे द्वारिका के लिए होगी रवाना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को किसी एक तीर्थ स्थान की निःशुल्क तीर्थयात्रा कराई जाती है। यात्रा के दौरान वरिष्ठ नागरिक के भोजन, नाश्ते, पानी तथा ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था की जाती है। तीर्थदर्शन योजना के तहत रीवा के चुने हुए तीर्थयात्रियों को लेकर विशेष ट्रेन 21 नवम्बर को शाम 7 बजे रीवा रेलवे स्टेशन से द्वारिका के लिए रवाना होगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि तीर्थयात्रा के लिए सभी विकासखण्डों और नगरीय निकायों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर तीर्थयात्रियों का चयन किया गया है। पात्रता के अनुसार वरिष्ठ नागरिकों को सहायक की भी सुविधा दी गई है। सभी तीर्थयात्रियों को नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से यात्रा की सूचना दी जा रही है। तीर्थयात्री अपने साथ आधार कार्ड, आवश्यक दवायें, दैनिक उपयोग के कपड़े, मौसम के अनुसार कपड़े अवश्य साथ रखें। ट्रेन रवाना होने से एक घंटा पहले रेलवे स्टेशन पहुंचकर अपने परिचय पत्र और टिकट प्राप्त कर लें।

किराने की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

पीड़ित से विधायक ने की मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले की रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम रैदुअरिया में बुधवार सुबह करीब 7 बजे अचानक एक किराने की दुकान में आग लग गई। जिससे दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। फिर भी दुकान में रखे सामान को जलने से नहीं बचा पाए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचा। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हादसे की सूचना पर चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल पहुंचे और लोगों को समझाइश दी।

दरअसल, पीड़ित सुखलाल गुप्ता निवासी रैदुअरिया आज सुबह घर में सब सो रहा था। इसी दौरान अचानक किराने की दुकान में आग लगी। जिसमें किराने का सारा सामान था। जिसमें लगभग 2 लाख 53 हजार का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी लगते ही आसपास के लोगों ने अपने हाथों से आग को बुझाना चाहा, लेकिन आग बुझाने में सफलता नहीं मिली। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। पूरे मामले की जांच कर रही है। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह राहुल मौके पर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने पीड़ित सुखलाल गुप्ता को समझाइश के साथ ही उन्हें हर संभव मदद का भरोसा और आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि हम इसकी जांच करवाएंगे। यदि नियम के मुताबिक मुआवजा बनता है, तो उसे पर हम जरूर कार्रवाई करेंगे। चौकी प्रभारी पिपराव शेषमणि मिश्रा ने बताया है कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची थी और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

खलिहान में लगी आग, 250 बोरी धान खाक

ट्रैक्टर के इंजिन से उठी चिंगारी से हादसा, दमकल पहुंचने से पहले जल गया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल में धान गहाई के दौरान ट्रैक्टर के इंजन से उठी चिंगारी ने खलिहान में रखी 250 बोरी से अधिक धान सहित ट्रैक्टर और थ्रेसर को जला कर राख कर दिया है। घटना जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह घटी है। चंद मिनट में ही आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही आग फैल गई और सब कुछ जलकर राख हो गया। जिससे किसान का लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

किराए पर बुलवाया था ट्रैक्टर: जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के मलौटी गांव में धान की गहाई के लिए किसान रामचंद्र सिंह कंवर ने गांव के एक ट्रैक्टर को किराए पर बुलवाया था। जिसमें थ्रेसर लगा हुआ था, जो धान की गहाई कर रहा था,अचानक इंजन गर्म हुआ और इंजन से उठी चिंगारी से आग लग गई। जिससे किसान का काफी नुकसान हुआ है।

लोग देखते रहे और सब खाक: घटना के दौरान वहां पर काफी लोग मौजूद थे, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि सब कुछ चंद ही मिनटों में खाक हो गया। किसान रामचंद्र सिंह ने मामले की जयसिंहनगर में दमकल को दी थी।

जयसिंहनगर पुलिस ने बताया कि आग से ट्रैक्टर इंजन, थ्रेशर और धान नष्ट हो गई है। लोगों ने दमकल कर्मियों को जानकारी दी थी। जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, तब तक सब खाक हो गया था। मामले की विवेचना की जा रही है।

तहसील के कर्मचारी ने घर जाकर मांगे पैसे

नामांतरण फाइल में रिपोर्ट लगाने ले रहा था 150 रुपए, एसडीएम बोले- कार्रवाई की जाएगी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में तहसील कार्यालय का एक कर्मचारी के नामांतरण फाइल में रिपोर्ट लगाने के नाम पर घर-घर जाकर पैसे मांग रहा था। लोगों ने कर्मचारी का वीडियो बना लिया, जिसमें वह कह रहा है कि मुझे पेट्रोल के लिए अधिकारियों ने लोगों से पैसे लेने कहा है। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद एसडीएम ने कार्रवाई करने की बात कही है।

दरअसल, चौबे कॉलोनी की रहने वाली अरुण देवी ने कुछ दिन पहले एक प्लॉट खरीदा था, जिसके नामांतरण के लिए तहसील में आवेदन लगाया था।

बुधवार सुबह तहसील का कर्मचारी रमेश सेन उनके घर पहुंचा और अरुण पटेल और उमाशंकर पटेल के नाम से दोनों आवेदन के 300 रुपए मांगने लगा। पैसे देने से मना किया तो उसने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार का आदेश है, सभी को पैसे देने पड़ते हैं। जब कर्मचारी उनके घर एक कागज पर हस्ताक्षर कराने के लिए गया था, तभी आवेदक ने अपने मोबाइल उसका वीडियो बना लिया।

बोला- छोटे कर्मचारी हैं, सिर्फ 30 हजार रुपए सैलरी है: आवेदक ने कर्मचारी से कहा कि पैसे किस बात के लिए रहे हो, तब कर्मचारियों ने कहा कि हम एक छोटे स्तर के कर्मचारी हैं। हमारी सैलरी केवल 30 हजार रुपए है, इसीलिए हम लोगों से पेट्रोल के लिए एक व्यक्ति से डेढ़ सौ रुपए लेते हैं। तब आवेदक ने कहा कि इसका पैसा आपके कार्यालय से नहीं दिया जाता, कर्मचारियों ने कहा कि तहसील और एसडीएम ने कहा है कि जिसके पास जाओ उसी से पेट्रोल के पैसा ले लिया करो।

बाइक से पहुंचा था कर्मचारी: कर्मचारी आवेदक अरूण देवी के घर बुधवार सुबह 10 बजे बाइक से पहुंचा था, जिसके पास बहुत सारे नोटिस थे, जिन पर वह घर जाकर हस्ताक्षर कराते हुए एक व्यक्ति से 150 सौ रुपए वसूल रहा था।

रिपोर्ट लगाने के नाम पर मांग रहा था पैसे: बताया जा रहा है कि रमेश सेन तहसील कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है, वह रिकॉर्ड रूम में पदस्थ है। इसका काम रिकॉर्ड में नोटिस इश्तिहार तामिल कराना है। रमेश सेन ने आवेदक के घर जाकर कहा कि मुझे आपके आवेदन में रिपोर्ट लगाना है, जिसके एवज में आपको डेढ़ सौ रुपए मुझे देना होगा।

अब धैर्य काफी हो चुका जल्द निर्णय नहीं हुआ तो होगा जेल भरो आंदोलन

शिवसेना व किसान मजदूर का 88वे दिन अनिश्चित कालीन अनशन जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। ललितपुर-सीधी-सिंगरौली रेल लाइन से प्रभावित भूमिहीन परिवार रोजगार, मुआवजा जैसी विभिन्न समस्या को लेकर लगातार 88वे दिन कलेक्ट्रेट मुख्यालय के सामने वीथिका भवन में अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी है। जहां शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि करीब दो सैकड़ा ऐसे यदि गरीब परिवार हैं जिनके पास रहने के लिए मकान, रोटी, कपड़ा जैसी चीज नहीं है जो भी है परिवारों के पास कच्चा टूटा फूटा मकान था। रेलवे में फंसने की वजह से यह बेघर हो चुके हैं ऐसी अवस्था में 88 दिन बीत चुके अनिश्चित कालीन आंदोलन जहां अभी भी आश्वासन के रूप में आस लगाए बैठे हुए हैं जिसमें राजस्व अधिकारियों द्वारा या बताया जा रहा है कि भूमिहीन परिवारों के लिए भूमि कार्यवाही जल्द पूर्ण होने वाली है लेकिन एक लंबा समय बीत चुका है और ऐसी स्थिति में अब धैर्य का बांध टूट रहा है उम्मीद है प्रशासन जल्द कार्रवाई करें पांडे ने कहा वरना मजबूरन संवैधानिक नियम से बाहर जाकर हजारों रेलवे पीड़ित किसान मजदूर साथियों के साथ मुख्यालय घेर कर होगा उग्र जेल भरो आंदोलन की तैयारी है।

20 स्टूडेंट्स को 3-3 साल की जेल

फर्जी अंकसूची लगाकर आईटीआई में एडमिशन लिया था, कोर्ट ने सुनाया फैसला

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर अपर एवं सत्र न्यायालय ने 20 छात्रों को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। छात्रों ने फर्जी अंकसूची लगाकर आईटीआई में प्रवेश लिया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। जिला लोक अभियोजक अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना जैतहरी में 17 अप्रैल 2014 को धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज हुई थी। इसमें वर्ष 2012-13 में प्रवेश लेने वाले छात्रों में से कुछ छात्र फर्जी अंकसूची लगाकर आईटीआई जैतहरी में प्रवेश लिया था। शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 120बी भादवि 1860 के तहत केस दर्ज कर जांच में लिया गया। जांच के बाद अभियोग-पत्र कोर्ट में पेश किया गया। न्यायालय ने दोषी पाते हुए आरोपियों के खिलाफ सजा सुनाई है।

यह हैं आरोपी: राघवेन्द्र कुमार, सुरेश सिंह राठौर, झल्लू सिंह उर्फ मनोज राठौर, रामखेलावन राठौर, उतेन्द्र सिंह राठौर, रवि सिंह राठौर, संदीप कुमार, जितेंद्र सिंह, प्रवीण कुमार द्विवेदी, शकुन राठौर, बीना देवी कोल, अमर सिंह राठौर, प्रकाश कुमार केवट, मनोज कुमार राठौर, लीलाधर, अनिल कुमार, संतोष कुमार राठौर, मनोज कुमार पिता उदय सिंह राठौर व चरण सिंह राठौर हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में 18 नवंबर को महाविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम मे प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के मुख्य आतिथ्य में नई शिक्षा नीति 2020 के एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में प्राचार्य ने एक दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अध्ययन अध्यापन, पाठ्यक्रम, परीक्षा पद्धति की जानकारी दी और साथ ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्ति एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं को अवगत करते हुए योजनाओं से लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना तथा प्रतिभा किरण योजना को विस्तार से समझाते हुए पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ लेने हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की समझाइस दी।

कार्यशाला में डॉ उमाकांत साहू सहायक प्राध्यापक रसायन विज्ञान व एन.ई.पी.जिला एम्बेसडर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम एवं परीक्षा परिणाम में क्रेडिट सिस्टम की विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को प्रदान की। कार्यशाला में अगले वक्ता के रूप में डॉ गुलशेर अहमद सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने महाविद्यालयीन परीक्षा प्रणाली के संचालन व प्रश्नपत्र से संबंधित महत्वपूर्व बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

नवागत एसपी ने ग्रहण किया पदभार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले में नवीन पद स्थापना पर आए एसपी मनीष खत्री ने बुधवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले जिले भर के थाना और चौकी प्रभारियों के साथ बैठक कर जिले की स्थिति को समझा। इसके बाद एसपी मीडिया से रूबरू हुए और उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं पर कहा कि साइबर क्राइम, महिला अपराध और नशे के खिलाफ कार्रवाई मेरी टॉप प्रायोरिटी रहेगी। मैं इस बात का भी पूरा ख्याल रखूंगा कि हर जरूरतमंद व्यक्ति के पास जल्द से जल्द पुलिस की सहायता पहुंच जाए और उन्हें पूरी तरीके से न्याय मिले। हाल ही में आईबी की रिपोर्ट में सिंगरौली जिले में नक्सली मूवमेंट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों और जिले के अधिकारियों से पूरी तरह से जानकारी लेकर निगरानी करेंगे।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में "भारतीय ज्ञान परंपरा" के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह वितरित किया गया। कार्यक्रम में स्वागत एवं अध्यक्षीय उद्धबोधन प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति ने किया साथ ही विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं भी दी।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पवन मिश्रा अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शासकीय महाविद्यालय मझौली उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथ और परम्पराए हमारे मार्गदर्शक हैं जो हमे आगे बढ़ने की प्रेरणा देते है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंजू सिंह प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय मड़वास ऊपस्थित थी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी अहंकार नही पालना चाहिए इसके साथ ही सभी प्रतिभागी छात्रों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित एड.अमरनाथ तिवारी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हमारी उन्नति सम्भव हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक अग्निहोत्री एवं डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. पंकज मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ संगीता मिश्रा, डॉ निशा सिंह, डॉ. ज्योति रजक, डॉ कमलेश जायसवाल, डॉ अनुराग तिवारी, डॉ रामधारी जायसवाल, डॉ राजेश पटेल, प्रो.प्रवीण कुमार साकेत, डॉ सुरेंद्र गुप्ता, सुंदर लाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्रायें ऊपस्थित रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपए का फ्रॉड

शिक्षा विभाग में डाटा एंट्री ऑपरेटर की जॉब दिलाने का दिया था झांसा गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में शिक्षा विभाग में डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से 50 हजार रुपए ठग लिए। आरोपी को बुधवार को पुलिस ने शहडोल से गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि विजय तिवारी (27) पिता उमेश कुमार तिवारी निवासी अनूपपुर ने आदर्श मिश्रा, अंजली मिश्रा, रोहित सिंह, संध्या सिंह व रामकिशोर सिंह ने कोतवाली में धोखाधड़ी का रिपोर्ट दर्ज कराई था । बताया था कि शहडोल जिले के नवागांव के रहने वाले दिवाकर मिश्रा ने अनूपपुर में सरकारी स्कूलों में बायोमीट्रिक डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाई जाने के नाम पर भर्ती रजिस्ट्रेशन फीस और अन्य चार्ज बात कर रुपए ले लिए हैं।

पीड़ित ने बेरोजगार नवयुवक व नवयुवतियों ने रजिस्ट्रेशन फीस और सरकारी नौकरी दिलाए जाने के लिए कुल 50 हजार 200 रुपए दे दिए। कुछ दिन बाद दिवाकर मिश्रा ने मोबाइल रिसीव करना बंद कर दिया। इसके बाद फोन ही स्विच ऑफ कर लिया। विजय ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी पहले भी कर चुका धोखाधड़ी: पुलिस ने शहडोल के थाना गोहपारू अंतर्गत ग्राम नवागांव से आरोपी दिवाकर मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के बैंक अकाउंट सीज करा दिए हैं। आरोपी दिवाकर मिश्रा ने शहडोल में भी कई युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाए जाने के नाम पर धोखाधड़ी की है। आरोपी के खिलाफ सोहागपुर थाने में भी केस दर्ज हैं।

फूंक मारते ही कर देते हैं बेहोश, हिंदू संगठनों ने शिकायत की

आरोपी बोला- पहले हिंदू था, क्रिश्चियन धर्म अपनाया तो बीमारी ठीक हुई

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के बहरी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति पर धर्म परिवर्तन और अंधविश्वास का लालच देकर ठगने का आरोप लगा है। इसके लेकर मंगलवार रात करीब 11 बजे बजरंग दल और हिंदू संगठन थाने पर पहुंचकर घेराव किया। साथ ही थाना प्रभारी राकेश बेस को आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

दरअसल, बाबूलाल जायसवाल निवासी बहरी का लोगों का इलाज करते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। एक फूंक मारकर लोगों को बेहोश कर देते हैं। साथ ही पीड़ितों की सारी परेशानियों को दूर कर देते हैं। ऐसा खुद बाबूलाल जायसवाल दावा करते हैं। हालांकि, लोगों का कहना है कि बाबूलाल जायसवाल क्रिश्चियन धर्म अपनाने के लिए लोगों को मजबूर करता है। अंधविश्वास का लालच देकर ठगने का काम भी करते हैं। इसके साथ ही लोगों के पैसे भी ऐंठते हैं। मामले को लेकर ही 19 नवंबर रात 11 बजे करीब 30 की संख्या में बजरंग दल और हिंदू संगठन बहरी थाने पर पहुंचा। जहां थाने का घेराव करते हुए थाना प्रभारी राकेश बेस को ज्ञापन सौंपा। साथ ही चेतवानी दी है, अगर बाबूलाल जायसवाल के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं होती है, तो हम उग्र आंदोलन करेंगे।

एक फूंक मारकर लोगों को ठीक करने का दावा: वहीं मामले को लेकर बजरंग दल के विभाग संयोजक शैलेंद्र सिंह चौहान ने कहा- बाबूलाल जायसवाल सिर्फ एक फूंक मारने से लोगों को बेहोश कर देते हैं। बड़े-बड़े असाध्य रोगों को वह सिर्फ छूकर ठीक कर देते हैं। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसके बाद हम लोगों ने जांच की और पता चला, वह क्रिश्चियन धर्म अपनाने के लिए लोगों को बाधित करते हैं। जिसकी शिकायत भी लोगों ने हमसे की थी। जिसके बाद हम लोगों ने पहले उन्हें जाकर समझाना चाहा, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद हम लोगों ने कल बीती रात में थाने में पहुंचकर सारी घटनाक्रम की जानकारी थाना प्रभारी को दी है और कार्यवाही की मांग की है।

पहले हिंदू था, जब क्रिश्चियन धर्म अपनाया तो मेरी बीमारी ठीक हो गई: बाबूलाल जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि मैं पहले हिंदू हुआ करता था। मेरी बीवी बीच रास्ते पर बेहोश हो जाती थी, उसे पता नहीं कौन सी बीमारी थी। इसके अलावा मेरी कमर पर बहुत ज्यादा दर्द होता था और मैं ठीक से चल नहीं पाता था। लेकिन फिर मैं क्रिश्चियन धर्म अपनाया और उसके बाद अब मैं ठीक हूं। अब मैं यीशु मसीह के आदेश पर लोगों को भी ठीक कर रहा हूं। मैं कोई गलत काम नहीं कर रहा हूं और ना ही मैं क्राइम कर रहा हूं. अगर मैं गलत कर रहा हूं तो मेरे ऊपर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

थाना प्रभारी राकेश बेस ने कहा- हिंदू संगठनों के द्वारा थाने में आकर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं और जो नियम अनुसार होगी उसमें कार्यवाही की जाएगी।

आजीविका मिशन तथा मध्यांचल बैंक के मध्य समन्वय बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन मझौली कार्यालय में मध्यांचल ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक महोदय एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक महोदय की उपस्थिति में 19 नवंबर को विकास खण्ड कुसमी एवं मझौली के विकास खण्ड प्रबंधक के साथ-साथ सहायक विकासखंड प्रबंधक एवं मध्यांचल ग्रामीण के शाखा प्रबंधक के मध्य समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मध्यांचल ग्रामीण बैंक की शाखाओ में समूह सीसीएल वितरण में आने वाली समस्याओं के संबंध में चर्चा की गयी, एवं भविष्य में सीसीएल वितरण की प्रगति में तेजी लाने के लिए कार्य योजनाएं बनाई गई जिससे अधिक से अधिक सीसीएल का वितरण समय पर सुनिश्चित हो सके।

विचार

कांग्रेस की वास्तविक मंशा जाहिर

भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई। चाहे जिस कारण से या जिस नारे की वजह से हुआ हो लेकिन यह वास्तविकता है कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा का चुनाव हिंदू एकजुटता और देश की एकता व अखंडता के मुद्दे पर केंद्रित हो गया है। भाजपा विरोधी पार्टियों और कुछ सहयोगियों ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के दो नारों का इतनी बार जिक्र किया या इतनी तरह से व्याख्या कर दी कि आम लोगों के दिल दिमाग में यह बात बैठ गई कि अगर एक नहीं रहे तो आने वाले समय में मुश्किल होगी। उनको यह बात समझ में आई है कि देश की जनसंख्या संरचना बदल रही है, कई राज्यों में हिंदू पहले ही अल्पसंख्यक हो गए हैं, कई राज्यों में अल्पसंख्यक होने की ओर बढ़ रहे हैं, घुसपैठ की वजह से राज्यों में आदिवासी व दलित आबादी तेजी से घट रही है, व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है और चुनाव का असली प्रश्न %रोटी, बेटी और माटी' का है। इस क्रम में कांग्रेस और जेएमएम जैसी घनघोर तुष्टिकरण करने वाली पार्टियों के साथ साथ श्री उद्धव ठाकरे की राजनीति भी एक्सपोज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खडगे़ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नारे %बंटेंगे तो कटेंगे' का विरोध करते हुए इतने भवावेश में आ गए कि उन्होंने कह दिया कि यह साधु की नहीं, बल्कि आतंकी की भाषा हो सकती है। उनका यह बयान इतना तल्ख और संदर्भ से बाहर का था कि मुख्यमंत्री को भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया देनी पड़ी। उन्होंने पूछा कि मल्लिकार्जुन खडगे़ बार बार कहते हैं कि जब वे छोटे थे तभी उनकी मां और बहन सहित परिवार के कुछ दूसरे सदस्यों को जला कर मार दिया गया था। लेकिन आज तक उन्होंने बताया नहीं कि किसने उनकी मां को जलाया था। यह बड़ा सवाल है, जिससे इतिहास के एक ऐसे अध्याय का खुलासा होता है, जो देश और समाज के माथे पर कलंक की तरह है? असल में हैदराबाद निजाम के सेना में शामिल रजाकारों ने उनकी मां और बहन को जला कर मार डाला था। खडगे़ के बेटे और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंका खडगे़ ने इशारों इशारों में एक बार इसका जिक्र किया था। असल में देश की आजादी तय होने के बाद हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उस समय रजाकारों ने वहां की हिंदू आबादी पर और खास कर दलितों पर बड़े अत्याचार किए थे। वे जोर जबरदस्ती दलितों को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य कर रहे थे। लेकिन खडगे़ की मां और परिवार के दूसरे सदस्य बहादुर थे, जिन्होंने मर जाना कबूल किया लेकिन इस्लाम नहीं अपनाया।

डोनाल्ड ट्रम्प की विजय और भारत

सुरेश हिंदुस्तानी

अमेरिका में रिपलिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रप की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रप ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए।

इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी।

वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है।

अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़िरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है।

विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुन: राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा।

अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। हम जानते हैं कि अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के विरोध में कैसे कार्यवाही कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रम्प के पुन: आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि अब पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

मणिपुर के सुलगते हालात

अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम नाकामियों के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है। मणिपुर में हफ्ते भर के अंदर जैसी हिंसा हुई है, उनसे यह सहज सवाल उठता है कि क्या इस राज्य पर किसी का नियंत्रण नहीं है? वारदात ने जैसा मोड़ लिया है, उससे भविष्य के लिए गहरी आशंकाएं पैदा होती हैं। सोमवार को कुछ उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जाकुरोदोर कारोंग में पुलिस थाने पर अंधाधुंध फायरिंग की। सुरक्षा बलों की वर्दी में आए इन उग्रवादियों ने एक सीआरपीएफ कैंप पर भी निशाना साधा। साथ ही उग्रवादियों ने पास के मार्केट में गोलीबारी की, कई दुकानों को जला डाला और कुछ मकानों को भी निशाना बनाया।

उसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। उनके मुताबिक उनकी कार्रवाई में दस उग्रवादी मारे गए। जबकि कुकी-जो काउंसिल का दावा है कि मारे गए लोग ग्रामीण स्वयंसेवक थे। हमार स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने दावा किया है कि 11 हमार ग्रामीण स्वयंसेवकों को मार डाला गया है। कुकी-जो काउंसिल ने उस इलाके में मंगलवार को दिन भर के बंद का आह्वान किया है। साफ है, स्थिति सुलगी हुई है। पिछले हफ्ते जैरोन गांव में कुकी उग्रवादियों के हमले में एक महिला की जान गई थी और कई घर जला डाले गए थे। गौरतलब है कि इम्फाल घाटी में जारी हिंसा से लगभग साल भर तक जिरीबाम जिला अछूता रहा था। लेकिन गुजरे जून में एक किसान का शव मिलने के बाद से यह भी चपेट में आ चुका है। सबसे अफसोसनाक है कि इतनी लंबी अवधि में मणिपुर के सुलगते हालात को संभालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार की तमाम संदिग्ध भूमिकाओं के बावजूद उन्हें केंद्र का संरक्षण मिला रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में राज्य की दोनों सीटों पर सत्ताधारी दल को पराजित कर जनता ने जो संदेश दिया, उससे भी सुनने या समझने का प्रयास केंद्रीय नेतृत्व ने नहीं किया। इससे धारणा बनी है कि मणिपुर के ताजा हालत सिर्फ प्रशासनिक नाकामी और अकुशलता का परिणाम नहीं हैं। शक गहराया है कि इसके पीछे अवांछित राजनीति की भूमिका भी हो सकती है। इसके हानिकारक परिणाम हमारे सामने हैं। उधर स्थितियां और भी खतरनाक मोड़ लेती दिख रही हैं।

बाल अधिकारों की रक्षा में कहां खड़ा है संसार

डॉ. रमेश ठाकुर

समूचे संसार में आज 'विश्व बाल दिवस' का 70वां संस्करण मनाया जा रहा है। स्थापना सन् 1954 में हुई थी जो प्रत्येक वर्ष 20 नवम्बर को अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देने के मकसद से विश्व भर में बच्चों के बीच जागरूकता लाने तथा नौनिहालां की आर्थिक दशा सुधार कल्याण में बदलाव लाने के लिए मनाया जाता है। ये दिवस बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सुरक्षित वातावरण देना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य पर ध्यान देने पर केंद्रित होता है। हाल वक्त में, बच्चों पर बढ़ते अत्याचार, बाल श्रम, और शिक्षा की कमी जैसी समस्याओं से मुकाबले के लिए हम सभी को गहरी नींद से जगाने का काम भी करता है ये आज का खास दिन। बाल रक्षा के क्षेत्र में जागरूकता फैलाना किसी एक मुल्क की जिम्मेदारी नहीं, सभी की है। इसलिए सामुहिक प्रयासों से ही थम पाएगी ये समस्या।

विश्व बाल दिवस-2024 की थीम है हर बच्चे के लिए, हर अधिकार जो ये सुनिश्चित करने के प्रयासों का आह्वान करता है कि विश्व के सभी बच्चों को उनके मौलिक अधिकार प्राप्त हों, जिसमें शिक्षा, भोजन, आवास, स्वच्छता और हानिकारक काम से सुरक्षा का अधिकार मिले। शुरूआती बाल शिक्षा में अफगानिस्तान जैसे मुल्क बहुत पिछड़ गए हैं। हिंदुस्तान के दूर-दराज क्षेत्रों में भी हालात चिंतनीय हैं। कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न हो, इसके लिए आज सभी को संकल्पित होना चाहिए। भारत में बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है जो पिछले सप्ताह की संपन्न हुआ। भारत में ये दिवस पूर्व प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है।

तब भी बाल अधिकारों की रक्षा के लिए सभी हिंदुस्तानियों को जागरूक किया जाता है। जबकि, चिंताएं पूरे संसार के बच्चों की कि जाती हैं, चिंताएं करनी भी चाहिए, क्योंकि हालात सभी देशों में एक समान ही हैं।

बाल अधिकारों की रक्षा में विश्व का अभियान आज कहां खड़ा है। 'विश्व बाल अधिकार रक्षक अभियान' में कितनी तरक्की हुई और कहां-कहां रहीं खामियां? इन सभी बातां-तथ्यों की समीक्षा करने की सामूहिक रूप से विश्व को जरूरत है। क्योंकि किसी अभियान को 70 वर्ष निरंतर चलते रहना अपने आप में बड़ी बात होती है। सबसे पहले साल 1959 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर कन्वेंशन के तौर पर अपनाया। फिर 20 नवंबर को ही बच्चों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की वर्षगांठ हुई। उसके बाद आज के दिन को बाल दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय हुआ। यूनिसेफ जैसे विश्व विख्यात यूनिट बाल कल्याण के क्षेत्र में कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन बच्चों के अधिकारों के लिए कार्यरत हैं। बच्चे के मुकम्मल अधिकार सुरक्षित हों, उन्हें उनका अधिकार आसानी से मिले को ध्यान में रखकर ही यूनिसेफ से इस समय 198 देश जुड़े हुए हैं। बाल संरक्षण की दिशा में यूनिसेफ का कार्य सराहनीय है।

विश्व बाल दिवस पूरे संसार में बड़े उत्सव से मनाया जाता है जिसमें बच्चों को ढेर सारा स्नेह, उपहार और लाड-प्यार लोग देते हैं। क्योंकि बच्चे कल के भविष्य हैं और अपने-अपने मुल्क के धरोहर समान भी हैं। पर, दुर्भाग्य ये है कि बच्चों का बचपन मौजूदा वक्त में कोई एक नहीं, बल्कि तमाम सारी किस्म-किस्म की समस्याओं से घिरा पड़ा है। बाल मजदूरी से लेकर बाल तस्करी जैसे कलंक से पूरा संसार आहत है। कोई ऐसा मुल्क नहीं जहां बच्चे रोजाना हजारों की संख्या में गायब न होते हों? यूनिसेफ की माने तो संसार में सालाना 5 लाख से अधिक बच्चे लापता होते हैं। भारत का आंकड़ा तो और भी डरावना है, जहां हर साल करीब 96,000 हजार बच्चे गायब होते हैं। भारत गायब बच्चों खोजने और इस समस्या पर रोक के लिए हर कोशिश कर रहा है। ये समस्या न सिर्फ भारत में रूके, बल्कि समूचा विश्व भी इस चुंगल से बाहर निकले, को ध्यान में रखकर ही आज का विशेष दिवस मनाया जाता है। हालांकि, इस दिशा में उठाए गए ईमानदारी वाले कदम के चलते सफलता मिली हैं। पर, जितनी मिलनी चाहिए उतनी मिली नहीं? तय टारगेट तक कोई देश अभी तक नहीं पहुंच पाया। पूरे संसार में 'बाल तस्करी' अब वैश्विक समस्या बन चुकी है। इसलिए आज का दिन दुनिया भर के बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हम सभी को संकल्प लेने पर विवश करता है। नौनिहालों के सुधारों की वकालत और उनके अधिकारों की रक्षा करना, मदद करना और चैरिटी करने की भी प्रेरित करता है। बच्चों के अधिकारों में भेदभाव से मुक्ति, पारिवारिक जीवन का अधिकार और हिंसा से सुरक्षा करने के लिए जागरूक करता है। हालांकि, विगत कुछ वर्षों में बच्चों के अधिकारों को बनाए रखने में विश्व में अच्छी प्रगति हुई है, लेकिन बावजूद इसके कई चुनौतियां अभी भी बहुतेरी बरकरार हैं। इन चुनौतियों में हिंसा, दुर्व्यवहार, शोषण, भेदभाव, ग़रीबी, संघर्ष और ज़रूरी सेवाओं का न मिलना शामिल है।

23 को रावत नाच महोत्सव, सीएम साय करेंगे 25.17 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ

मल्टीलेवल पार्किंग, मिनी स्टेडियम बनकर तैयार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के 23 नवंबर को बिलासपुर में संभाग के सबसे बड़े रावत नाच मोहत्सव में शामिल होंगे। इस दिन सीएम साय शहर को स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 25 करोड़ 17 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसमें सिटी कोतवाली में मल्टीलेवल पार्किंग के साथ ही दयालबंद में मिनी स्टेडियम शामिल हैं।

सीएम के प्रवास को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। नवनिर्मित मिनी स्टेडियम में बचे कार्यों के साथ ही संजय तरण पुस्कर में बन रहे स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में तेजी से काम चल रहा है। इधर, कलेक्टर अवनीश शरण ने जिला प्रशासन एवं नगर निगम की तैयारियों का जायजा लिया। उनके साथ निगम कमिश्नर अमित कुमार भी शामिल थे।

कलेक्टर बोले- वाहन पार्किंग की समस्या होगी दूर: कलेक्टर ने सिटी कोतवाली के समीप मल्टी लेवल पार्किंग, दयालबंद में मिनी स्टेडियम एवं संजय तरण पुष्कर में स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का निरीक्षण किया। मल्टी लेवल पार्किंग में ग्राउण्ड फ्लोर पर 46 दुकान और तीन मंजिला पार्किंग 270 चार पहिया वाहन एवं 200 मोटर बाईक के पार्किंग की व्यवस्था है। इसके शुरू होने से शहर के व्यस्ततम इलाके में वाहन पार्किंग की समस्या दूर हो जाएगी। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 25 करोड़ 17 लाख की लागत से इसका निर्माण किया गया है।

दयालबंद स्थित मिनी स्टेडियम में आउटडोर एवं इण्डोर दोनों तरह के स्पोर्टस की सुविधा है। लगभग 22 करोड़ की लागत से निर्मित इस स्टेडियम में क्रिकेट, बेडमिन्टन, टेबल टेनिस, स्नूकर, स्क्वेश और जिम की सुविधा मिलेगी। इसी तरह संजय तरण पुष्कर में 12 करोड़ की लागत से स्पोर्टस कम्पलेक्स तैयार किया गया है। उन्होंने स्मार्ट सिटी और डीएमएफ से निर्मित मिनोचा कॉलोनी सड़क एवं संकरी सड़क का भी निरीक्षण किया।

सिटी बस स्टैंड का भी किया निरीक्षण: कलेक्टर ने कोनी में सिटी बस स्टैण्ड का भी अवलोकन किया। निगम को मिलने वाली 50 इलेक्ट्रिक सिटी बसें यहीं से संचालित होगी। उन्होंने सुरक्षित रखने के लिए उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने तिफरा रैन बसेरा की तरह यहां पर भी यात्रियों के लिए एक रैन बसेरा बनाने के निर्देश दिए ताकि गरीब यात्री यहां ठहर सकें। कलेक्टर ने रिवर फ्रन्ट व्यू के सौंदर्यीकरण कार्य को भी देखा और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने शहर के प्रवेश द्वार-लालखदान और सीपत मार्ग का अवलोकन किया और इनकी साफ सफाई एवं डिवाईडर के रंगरोगन करने के निर्देश दिए।

23 को रावतनाच महोत्सव में शामिल होंगे सीएम साय: देवउठनी एकादशी के साथ ही जिले रावतनाच महोत्सव शुरू हो गया है। मुख्य उत्सव लाल बहादुर शास्त्री मैदान में 47 सालों से हो रहा है। यह आयोजन 23 नवंबर को होगा, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। हर साल की तरह इस महोत्सव का क्रेज बढ़ता जा रहा है। दलों की संख्या हर बार बढ़ रही है। इसमें जिले के साथ ही संभाग भर से नर्तक दल शामिल होंगे। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे। यह आयोजन रात भर चलेगा।

अवैध धान परिवहन एवं भण्डारण को रोकने जिला प्रशासन का करें सहयोग: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 14 नवम्बर 2024 से धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो गया है, 31 दिसम्बर 2024 तक चलेगा। इस परिपेक्ष्य में अवैध धान संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार के द्वारा भौतिक निरीक्षण व सत्यापन किया गया। जिसमें कुछ किसानों के द्वारा कटवाये गये टोकन में धान की मात्रा एवं उपलब्ध धान की मात्रा कम पाई गई। तहसील केल्हारी के सेमरिया गांव के किसान पन्नालाल का पंजीकृत रकबा 1.35 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 70 क्विंटल तथा निरीक्षण में 40 क्विंटल पाया गया। मनवारी गांव के किसान योगेन्द्र का पंजीकृत रकबा 0.04 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 20.4 क्विंटल तथा निरीक्षण में 12 क्विंटल पाया गया। इसी प्रकार केल्हारी गांव के किसान विवेक सिंह का पंजीकृत रकबा 0.04 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 20.4 क्विंटल तथा निरीक्षण में 12 क्विंटल पाया गया। सभी जगह भौतिक सत्यापन के दौरान 12 क्विंटल प्रति एकड़ अनुमानित उपज पाया गया। उक्त किसानों द्वारा स्वयं आप किसान पोर्टल/टोकन तुहंर द्वार के माध्यम से काटा गया। टोकन की मात्रा एवं वास्तविक उत्पादन में कॉफी अंतर है। जिले के कई गांव सीमावर्ती होने के कारण अवैध धान जिले के अंदर आने की संभावना है। इसे रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर कार्यवाही की जा रही है। जिले के किसान, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया से आग्रह है कि अवैध धान के परिवहन एवं भण्डारण को रोकने हेतु सहयोग करें।

झाड़फूंक करते बिगड़ी छात्रा पर नीयत

नाबालिग को भगा ले गया तांत्रिक, किया दुष्कर्म, शादी के लिए फर्जी दस्तावेज भी बनाए

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में नाबालिग छात्रा को भगाकर ले जाने और रेप के आरोपी तांत्रिक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बलरामपुर जिले में सिधमा धाम बनाया है। जहां वह झाड़फूंक से गंभीर बीमारियों के इलाज का दावा करता है।

छात्रा अपनी मां और दीदी के साथ इलाज के लिए आरोपी बाबा के धाम जाती थी, जहां उनका परिचय हुआ। इस दौरान बाबा की नीयत छात्रा पर बिगड़ गई।

14 की उम्र को बताया 24, बनाया अनुबंध पत्र: ढोंगी बाबा ने छात्रा के आधार कार्ड में जन्मतिथि से छेड़छाड़ कर स्टांप के जरिए शादी का अनुबंध पत्र भी बनवाया था। छात्रा की उम्र 14 साल है और अनुबंध पत्र में उसकी उम्र 24 साल बताई गई है।

जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में अपने भैया-भाभी के साथ रहकर 10वीं क्लास में पढ़ रही छात्रा 25 अक्टूबर को स्कूल की छुट्टी के बाद गायब हो गई थी। छात्रा के पिता की रिपोर्ट पर कोतवाली अंबिकापुर पुलिस ने अपराध दर्ज किया था।

परिजनों ने छात्रा को बलरामपुर के सिधमा निवासी मिट्ठू राम द्वारा भगाकर ले जाने की जानकारी दी थी।

3 साल पहले हुए थी पहचान: कोतवाली पुलिस ने गुमशुदा छात्रा को बलरामपुर के सिधमा से बरामद किया। महिला अधिकारी के समक्ष दिए गए बयान में छात्रा ने बताया कि उसकी जान-पहचान मिट्ठू राम से करीब 3 साल पहले हुई थी। वह अपनी मां और दीदी के साथ मिट्ठू राम के धाम में इलाज कराने के लिए गई थी। मिट्ठू राम से करीब एक साल से प्रेम संबंध था। मिट्ठू राम उसे शादी करने का झांसा देकर भगा ले गया था।

शादी के लिए स्टांप में किया अनुबंध: मिट्ठू राम ने छात्रा का फर्जी आधार कार्ड तैयार कराया, जिसमें जन्मतिथि बदलकर उसे बालिग बता दिया गया। जन्म प्रमाणपत्र में भी जन्मतिथि बदलकर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र तैयार किया गया। इस आधार कार्ड के आधार पर मिट्ठू राम ने नाबालिग छात्रा से शादी का अनुबंध पत्र स्टांप में तैयार कराया। मिट्ठू राम छात्रा को अपने घर ले गया और रेप किया।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार: एएसपी सरगुजा अमोलक सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले में धारा 87, 64(2) (एम), 55, 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 जोड़कर मामले के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में (सीओपीडी) जागरूकता की क्रांतिकारी पहल: महेन्द्र सिंह मरपच्ची

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। विश्व सीओपीडी दिवस की शुरुआत 2002 में ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव लंग डिजीज दतहस्छड्ड द्वारा की गई थी। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके रोकथाम, प्रबंधन तथा इलाज को बढ़ावा देना है। यह दिवस हर साल नवंबर के तीसरे बुधवार को मनाया जाता है, और इसका उद्देश्य सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों और आम जनता के बीच संवाद स्थापित करना है, ताकि इस बीमारी से होने वाली मृत्यु और पीड़ा को कम किया जा सके। इस दिन विशेष रूप से श्वसन स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो सीओपीडी के मुख्य कारण हैं।

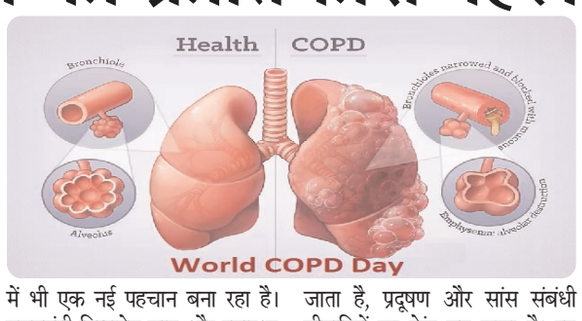

सीओपीडी के खिलाफ समग्र प्रयास: छत्तीसगढ़, जो अपनी प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी एक नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ में सीओपीडी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है, जो मुख्य रूप से वायु प्रदूषण, तंबाकू सेवन और परंपरागत चूल्हों के धुएं से उत्पन्न होती है। खासकर राज्य के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। एमसीबी जिला जो कोयला खनन और औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है, प्रदूषण और सांस संबंधी बीमारियों का केंद्र बन चुका है। इन समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार ने एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। यहां सीओपीडी और अन्य श्वसन संबंधित रोगों के इलाज के लिए आधुनिक चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन चलाई जा रही हैं, जो प्राथमिक चिकित्सा और स्क्रीनिंग सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। राज्य सरकार ने कोयला खनन और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अग्रणी भूमिका: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार किए हैं। उनके प्रयासों से राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से सीओपीडी और सांस संबंधी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसके परिणामस्वरूप जिलों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती, अस्पतालों में उपकरणों का उन्नयन और चिकित्सा कर्मियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का क्रांतिकारी नेतृत्व: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए छत्तीसगढ़ के विकास में स्वास्थ्य को केंद्रीय भूमिका दी है। उनके नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना का सफल क्रियान्वयन हुआ, जिससे लाखों परिवारों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। इसके अलावा राज्य सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए पर्यावरण-अनुकूल नीतियों को लागू किया और एलपीजी कनेक्शन वितरण के जरिए ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया है।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव देखा है। विशेष रूप से मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में सीओपीडी की रोकथाम और स्वास्थ्यकर आदतों को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयास न केवल राज्य के लिए, बल्कि देशभर के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 2 की मौत, राहगीरों ने दी पुलिस को सूचना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। राजधानी रायपुर में तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर गए। वे बुरी तरह घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां से गुजर रहे राहगीर ने लाश देखी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मामले में आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। घटना अभनपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, अभनपुर-धमतरी मार्ग में सातपारा गांव के पास बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है। मृतक थुहा बंगोली गांव निवासी भूपेंद्र कुर्रे और किशोर कुर्रे है। वे दोनों बाइक में सवार होकर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

आरोपी गिरफ्त से बाहर: आसपास से गुजर रहे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

स्पेशल ओलंपिक में सिमरन पुजारा का सिलेक्शन

उपराष्ट्रपति ने किया शुभारंभ, भारत समेत 12 देश के एथलीट्स ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली स्थित त्यागराज स्टेडियम में मंगलवार को बौद्धिक अक्षमता वाले एथलीटों के लिए खेलों को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय महासंघ स्पेशल ओलंपिक का आगाज हुआ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की मौजूदगी में इसका शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में बिलासपुर की सिमरन पुजारा देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इसके साथ ही 12 देशों के 100 से अधिक एथलिट आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं।

स्पेशल ओलंपिक एशिया पैसिफिक बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता वैश्विक स्तर पर पहला इवेंट है। इसमें 22 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बौद्धिक और विकासात्मक विकलांगता (आईडीडी) वाले एथलीट हिस्सा लेते हैं। दिल्ली में आयोजित यह कार्यक्रम 19 से 22 नवंबर तक चलेगा।

छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ी कर रहे प्रतिनिधित्व: कॉम्पिटिशन में छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ी भी शामिल हो रहे हैं। इसमें बिलासपुर की सिमरन पुजारा और रायपुर के इभानन साहू शामिल हैं। इस ओलंपिक में दोनों बच्चे देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यहां देश के 16 बच्चों की टीम का सलेक्शन किया गया है।

जल जीवन मिशन से फूल बाई बैगा हुई लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के पाराडोल के छोटे से गांव बैगापारा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी बदलाव किया है। वर्षों से स्वच्छ पेयजल की कमी से जूझ रहे इस गांव के लोग आज जल जीवन मिशन द्वारा नल-जल कनेक्शन के जरिए स्वच्छ और सुगम पेयजल का लाभ उठा रहे हैं। इस परिवर्तन की धुरी बनी हैं बैगापारा की निवासी फूल बाई बैगा, जिनकी कहानी इस मिशन की सफलता का प्रतीक बन गई है।

गांव में वर्षों तक रही पानी की समस्या: बैगापारा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में लंबे समय तक स्वच्छ पानी की व्यवस्था न होने के कारण लोग प्राकृतिक जल स्रोतों और छोटे मोटे कुओं पर निर्भर थे। इन स्रोतों की स्वच्छता और उपलब्धता अक्सर अनियमित रहती थी, जिससे जल जनित बीमारियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम थी। महिलाओं और बच्चों को पानी भरने के लिए घंटों लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनकी शिक्षा और दैनिक जीवन भी प्रभावित होता था।

जल जीवन मिशन का शुभारंभ और बदलाव का सफर: 01 अप्रैल 2024 को जल जीवन मिशन के तहत बैगापारा में नल-जल आपूर्ति के प्रयास शुरू किए गए। सरकार ने गांव के हर घर को 100 प्रतिशत एफएचटीसी (फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन) से जोड़ने का लक्ष्य रखा। 18 नवंबर 2024 तक बैगापारा के प्रत्येक घर को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि सभी परिवारों को निजी स्रोतों के जरिए स्वच्छ पानी की नियमित आपूर्ति हो।

स्वच्छ पानी ने बदली ग्रामीणों की जिंदगी: जल जीवन मिशन के प्रभाव ने बैगापारा के लोगों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव लाया है। अब ग्रामीणों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। महिलाओं और बच्चों का समय और श्रम बचत होती है, वे लोग अपना समय अब शिक्षा, खेती और अन्य उत्पादक कार्यों में लगा रहे हैं। स्वच्छ पेयजल ने जल जनित बीमारियों की घटनाओं को काफी हद तक कम कर दिया है। फूलबाई बैगा ने इस योजना का व्यक्तिगत रूप से लाभ उठाया और इसे ग्रामीणों के लिए जीवन बदलने वाला अनुभव बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा यह पहल हमारे जैसे गांवों को आत्मनिर्भर और स्वस्थ बना रही है।

स्ट्रीट डॉग की मौत पर बवाल

पशु प्रेमी बोले- जहर देकर मारा, पुलिस ने कराया पोस्टमॉर्टम, सीसीटीवी वीडियो भी खंगाल रही

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में दो स्ट्रीट डॉग की संदिग्ध मौत को लेकर बवाल मच गया। पशु प्रेमियों का आरोप है कि कालोनी के लोगों ने कुत्तों को जहर देकर मार दिया है। मामला थाना पहुंचने पर पुलिस ने कुत्तों का पोस्टमार्टम कराया है। इसके साथ ही जांच के लिए सीसीटीवी वीडियो भी खंगाल रही है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

अज्ञेय नगर कॉलोनी में रहने वाले पशु प्रेमी स्ट्रीट डॉग की देखभाल करते हैं। उन्हें फीडिंग तक कराते हैं। तो वही कुछ लोग उन्हें कॉलोनी से बाहर करना चाहते हैं। इसके चलते उनका अलग-अलग गुट बन गया है। जिसके चलते आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है।

दो कुत्तों की संदिग्ध मौत पर मचा बवाल: कॉलोनी के लोगों का विवाद 16 नवंबर को दो स्ट्रीट डॉग की संदिग्ध मौत के बाद फिर से शुरू हो गया है। पशु प्रेमियों का आरोप है कि कुत्तों को जहर देकर मारा गया है। आरोप है कि एक दिन पहले हुए विवाद के बाद किसी ने कुत्तों को जहर दे दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पशु प्रेमियों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों डॉग का पोस्टमार्टम कराया है। जिसकी रिपोर्ट 20 नवंबर तक देने का दावा किया जा रहा है।

कॉलोनी में घूमते दिख रहे हैं दोनों डॉग: पुलिस ने विवाद के बाद कॉलोनी में लगे सीसीटीवी वीडियो की जांच की, जिसमें पुलिस को घटना के एक दिन पहले दोनों डॉग कॉलोनी में घूमते नजर आ रहे हैं। टीआई प्रदीप आर्या का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही डॉग के मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

पिछले चार साल से स्ट्रीट डॉग को लेकर विरोध: दरअसल, कॉलोनी में चार साल से स्ट्रीट डॉग का विरोध चल रहा है। कालोनी के कुछ लोगों का कहना है कि स्ट्रीट डॉग से बच्चों को खतरा बना रहता है। इसके कारण कॉलोनी के बच्चों को खेलने में दिक्कत होती है। जिसके कारण वो लोग स्ट्रीट डॉग को कॉलोनी से बाहर कराने का प्रयास करते रहे हैं। वहीं, कालोनी के पशु प्रेमी उनकी सुरक्षा के लिए खड़े रहते हैं। यही वजह है कि उनके बीच आए दिन विवाद की स्थिति बनी रहती है।

छत्तीसगढ़ से डायरेक्ट जा सकेंगे सिंगापुर और दुबई

रायपुर एयरपोर्ट बनेगा कार्गो हब, बिहार और झारखंड के लिए भी शुरू होगी हवाई सेवा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर एयरपोर्ट से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधे फ्लाइट की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही इंटरनेशनल हवाई सेवा शुरू करने को लेकर अपनी सहमति जताई है। रायपुर एयरपोर्ट पर कार्गो हब डेवलप करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

इसके साथ ही रायपुर एयरपोर्ट से पटना और रांची के लिए भी हवाई सेवा शुरू करने की सहमति मिली है। सीएम विष्णुदेव साय ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से छत्तीसगढ़ की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत करने और रीजनल एयरपोर्ट को डेवलप करने के लिए चर्चा की।

छत्तीसगढ़ के इकोनॉमिक डेवलपमेंट को मिलेगा बढ़ावा: बैठक के दौरान सीएम साय ने चर्चा में बताया कि छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की बड़ी संभावनाएं हैं। प्रदेश में इंटरनेशनल पैंसेजर ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए रायपुर से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ानों की जरूरत है। इन रुट पर यात्री ट्रैफिक काफी अच्छा है, जिससे ये सेवाएं व्यवसायिक रूप से लाभकारी साबित होंगी।

रायपुर एयरपोर्ट को केंद्रीय कार्गो हब में डेवलप करने का प्रस्ताव: मुख्यमंत्री साय ने बैठक में राज्य में कोई बड़ा कार्गो सुविधा केंद्र नहीं होने की जानकारी दी। रायपुर के एयरपोर्ट को एक केंद्रीय कार्गो हब में डेवलप करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कृषि और बागवानी उत्पादों के ट्रासपोर्टेशन को बढ़ावा मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू होगी नाइट लैंडिंग की सुविधा: वहीं बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए 3सी आईएफआर कैटेगरी में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव भी रखा। रेडियो नेविगेशन सिस्टम डीवीओआर की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने का अनुरोध किया। केन्द्रीय मंत्री ने बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमानों की नाईट लैंडिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे तुरंत शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

तीर्थ स्थलों के लिए सीधे फ्लाइट की मांग की: मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर एयरपोर्ट को रायपुर, वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए नई उड़ानों की शुरुआत की भी मांग की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सांस्कृतिक और खनिज संपदा को देखते हुए नई उड़ान सेवा शुरू करने से लोगों को काफी फायदा होगा, जिस पर भी केन्द्रीय मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मिलेगी मदद: बैठक में मुख्यमंत्री ने जगदलपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट्स पर आरसीएस उड़ानों के लिए वित्तीय सहायता को बहाल करने की भी मांग की है। उन्होंने बताया कि इन रूट्स पर कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मदद मिलेगी।

जगदलपुर से रायपुर के बीच इंडिगो एयरलाइंस की संचालित उड़ान सेवा को कम यात्रियों के चलते बंद है। इसे फिर से सही समय पर शुरू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस मार्ग पर हवाई कनेक्टिविटी की मांग है। केंद्रीय मंत्री ने कई प्रस्तावों पर आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के 20 जिलों में 400 करोड़ रूपये लागत से बनेंगे 100 ट्रायबल छात्रावास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में केन्द्र सरकार द्वारा देशभर में जनजातीय विद्यार्थियों की शिक्षा-दीक्षा एवं उनकी आवासीय सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत केन्द्र सरकार ने देश के सभी प्रदेशों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार ट्राइबल छात्रावासों के निर्माण के लिये स्वीकृति दी है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भेजे गये प्रस्ताव को मान्य करते हुए 20 जिलों में 100 ट्राइबल छात्रावासों के निर्माण की मंजूरी दी गई है। 20 जिलों के 50 ब्लॉक?स में (हर ब्लॉक में) 2-2 ट्राइबल छात्रावासों बनाये जायेंगे। यह सभी ट्राइबल छात्रावासों 4-4 करोड़ रूपये की लागत और 100-100 सीटर होंगे। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि अभियान के तहत अलीराजपुर जिले के अलीराजपुर, जोबट, कट्ठीवाड़ा, सोण्डवा एवं उदयगढ़, बड़वानी जिले के पानसेमल एवं पाटी, बैतूल जिले के भीमपुर, मुल्ताई एवं शाहपुर, छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा, बिछुआ, हर्रई, जुन्नारदेव, परासिया एवं तामिया, दमोह जिले के तेंदूखेडा, डिंडोरी जिले के डिंडोरी, मेहंदवानी, समनापुर एवं शाहपुरा, जबलपुर जिले के कुंडम, झाबुआ जिले के पेटलावद, रामा, रानापुर एवं थांदला, खरगोन जिले के भगवानपुरा, भीकनगांव एवं झिरन्या, मंडला जिले के नारायणगंज, नरसिंहपुर जिले के नरसिंहपुर, पन्ना जिले के पवई, सतना जिले के रामपुर-बघेलान, सीहोर जिले के नसरूल्लागंज, सिवनी जिले के छपारा, धनौरा, कहानापस (घन्सौर) एवं लखनादौन, शहडोल जिले के ब्यौहारी, बुढ़ार एवं जयसिंहनगर, श्योपुर जिले के कराहल एवं विजयपुर, शिवपुरी जिले के खनियांधाना एवं शिवपुरी, सीधी जिले के सीधी एवं सिंहावल तथा सिंगरौली जिले के बैढ़न, चितरंगी एवं देवसर में यह हॉस्टलस् बनाये जायेंगे। मंत्री श्री शाह ने बताया कि यह ट्राइबल छात्रावासों ऐसे स्थान पर (संभवत- सीएम राइज स्कूल परिसर में या इसके समीप) बनाये जायेंगे, जिससे आस-पास के गांवों के जनजातीय विद्यार्थियों को रहने और शिक्षा पाने की स्थायी सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि देश के सभी जनजातीय बहुल गांवों के समग्र विकास एवं कल्याण के लिये केन्द्र सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में प्रदेश के 51 जिलों के 267 विकासखंडों में स्थित 11 हजार 377 जनजातीय बहुल गांवों का संर्वागीण विकास किया जायेगा। इन 51 जिलों में 43 जनजातीय समुदायों के 18 लाख 58 हजार परिवार निवास करते हैं, जिनकी कुल 93 लाख 23 हजार आबादी इस अभियान से सीधे तौर पर लाभान्वित होगी।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और विशेष अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रहेंगे। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के कार्यक्रम का केन्द्रीय विषय भारत में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल और सुरक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी, कानूनी सुरक्षा और मानव अधिकार'' पर आधारित होगा। मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी ने मानव अधिकार आयोग में विषय से संबंधित विभागों के अधिकारियों की आयोजन की तैयारियों के संबंध में बैठक ली। बैठक में वृद्धजन कल्याण से संबंधित योजनाओं एवं अन्य सुसंगत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। बैठक में सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, पुलिस, नगर निगम, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के अधिकारी और मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री राजीव कुमार टंडन भी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने की सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मंगलवार को मंत्रालय में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 की समीक्षा की। श्री जैन ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण के लिए व्यापक रणनीति बनाकर कार्य किया जाये। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विभिन्न विभाग मिलकर संयुक्त रूप से कार्य करेंगे तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पीड़ित लोगों को जागरूक करने के?लिए संवाद कायम करें। भविष्य में शोध कार्य के अनुरूप डाटा संकलन किया जाये। मुख्य सचिव ने निर्देश दिये कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाये कि वर्तमान में किये जा रहे टेस्ट के साथ अन्य बीमारियों की भी जांच हो सके। मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. सलोनी सिडाना ने सिकल सेल एनीमिया के कारण एवं रोकथाम के प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके उन्मूलन के लिए 4 स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। इसमें स्क्रीनिंग, मैनेजमेण्ट, कॉउंसलिंग एवं जन-जागरूकता के लिए प्रयास सम्मिलित हैं। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री संदीप यादव उपस्थित रहे।

योजना के परिणामों का मैदानी स्तर पर हो मूल्यांकन- राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि व्यक्तिगत और सामुदायिक योजना के परिणामों का मूल्यांकन मैदानी स्तर पर किया जाए। वंचित और छूट रहें व्यक्तियों और क्षेत्रों तक विकास की योजनाओं की पहुँच को सफलता का पैमाना माना जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन से प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजना को पहुँचाने के प्रयास किए जाने चाहिए। मॉनिटरिंग का भी यही लक्ष्य होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल आज जनजातीय प्रकोष्ठ के द्वारा संयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का आयोजन दो सत्रों में किया गया था। प्रथम सत्र में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और आयुष विभाग की समीक्षा की गई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार मौजूद थे। द्वितीय सत्र में जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं पर चर्चा की गई।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि स्क्रीनिंग के दौरान सिकल सेल प्रभावितों की अधिक संख्या वाले चिन्हित क्षेत्रों और 20 से 30 वर्ष की आयु समूह की स्क्रीनिंग के कार्य को व्यापकता प्रदान की जाए। जांच का कार्य तेज गति से किया जाए। गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व और प्रसव के 72 घन्टों के भीतर जांच हो। इस संबंध में विभाग द्वारा कार्य योजना तैयार की जाना चाहिए। चिन्हित वाहक और रोगियों को प्राथमिकता के साथ जेनेटिक कार्ड उपलब्ध हो। रोगी और वाहक को तत्काल उचित औषधि उपलब्ध हो। वाहक और रोगी नियमित रूप से औषधि लें। इसकी मॉनिटरिंग बहुत जरूरी है। मॉनिटरिंग के लिए सामुदायिक जन जागृति के प्रयास आवश्यक हैं। जरूरी है कि घर-घर जाकर इस संबंध में सीधा संपर्क और संवाद कायम किया जाए। उन्होंने मैदानी अमले का संवेदीकरण कर, उनके माध्यम से जन जागरण के प्रयासों के लिए निर्देश दिए है।

राज्यपाल श्री पटेल ने आयुष विभाग की चर्चा के दौरान कहा कि सिकल सेल रोग प्रबंधन और उपचार में होम्योपैथी, आयुर्वेद और योग की भूमिका के संबंध में विभाग द्वारा किए जा रहे अनुसंधान का तुलनात्मक परीक्षण भी कराया जाए। पॉयलट जिलों की सभी तहसील के वाहक और रोगी अध्ययन में सम्मलित हो। इसकी सुनिश्चितता की जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों को व्यापकता प्रदान करने में आयुर्वेद की संभावनाएं बहुत प्रबल हैं।

पीएम सूर्य घर योजना में मिलेगी मुफ्त बिजली -ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि केंद्र सरकार द्वारा लोगों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना में एक किलोवाट का सोलर संयंत्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट का सोलर संयंत्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवॉट तक के सोलर संयंत्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इसके लिए देशभर के उपभोक्ताओं को इस योजना में शामिल करके पीएम सूर्य घर योजना से जोड़ने का लक्ष्य केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत पीएम सूर्य घर योजना के शुभारंभ दिवस 13 फरवरी 2024 से अब तक 6 हजार 377 से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ा गया है। आवेदन के लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट अथवा उपाय एप, वॉट्सएप चेटबॉट व टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है। पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन /पंजीयन करें। राज?य का चुनाव करके विद्युत वितरण कंपनी चुनें। फिर उपभोक्ता क्रमांक दर्ज करें। इसके बाद अपना मोबाइल नंबर और मेल आईडी डालें। उपभोक्ता नंबर और मोबाइल नंबर से लॉगिन कर रूफटाप सोलर के लिए आवेदन करें। अनुमोदन अर्थात अप्रूवल के लिए थोड़ा इंतजार करें। बिजली वितरण कंपनी में पंजीकृत वेंडर से ही सौर संयंत्र लगवाएं। एक बार इंस्टॉलेशन पूरा हो जाने पर प्लांट का विवरण जमा करें। नेट मीटर की स्थापना और डिस्काम द्वारा निरीक्षण के बाद पोर्टल से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। कमीशनिंग रिपोर्ट प्राप्त कर आप अपना बैंक खाता विवरण तथा एक निरस्त चेक पोर्टल के माध्यम से जमा करें। तत्पश्चात 45 दिनों में आपको केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित सब्सिडी प्राप्त हो जाएगी।

दूध का अधिक संग्रहण करें और किसानों को अधिक लाभ दें-मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि सांची दुग्ध संघ दुग्ध उत्पादक किसानों से अधिक से अधिक मात्रा में दूध का संग्रहण करें और उन्हें अधिक से अधिक लाभ दे। सांची के उत्पादों का विक्रय राज्य से बाहर भी किया जाए। सांची के सभी उत्पाद सभी दुग्ध संघों में उपलब्ध रहें और आवश्यकता अनुसार एक दूसरे संघ को विक्रय के लिए भिजवाए जाएं।मंत्री श्री पटेल ने आज मंत्रालय में सांची दुग्ध संघ के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, बुंदेलखंड, जबलपुर और ग्वालियर दुग्ध संघ के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सांची के उत्पाद अच्छी गुणवत्ता और वाजिब दामों पर ग्राहकों को उपलब्ध होते हैं। इनकी मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी जिलों में कलेक्टर कार्यालय और अस्पतालों में सांची पार्लर बनाए जाए। महिला स्व-सहायता समूह को भी सांची के उत्पाद विक्रय से जोड़ा जाए। लाभ की राशि सीधे किसानों के खातों में अंतरित की जाए।

मध्यप्रदेश का स्थान राजस्व प्रकरणों के निराकरण में देश के अव्वल प्रदेशों में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा है कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में मध्यप्रदेश का स्थान देश के अव्वल प्रदेशों में है। उन्होंने कहा कि किसानों तथा भूधारकों के हित को ध्यान में रखते हुए राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में राजस्व महा अभियान 3.0 शुरू किया गया है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने इंदौर के रेसीडेंसी में इंदौर जिले के समस्त राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, कलेक्टर श्री आशीष सिंह

सहित सभी अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य राजस्व अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मंत्री श्री वर्मा ने इंदौर जिले में चल रहे राजस्व महा अभियान 3.0 की प्रगति और राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की सभी राजस्व प्रकरण निर्धारित समय सीमा में निराकृत किए जाएं। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही, लेतलाली तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि अक्षम्य है। लापरवाही, लेतलाली एवं त्रुटि करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण हर हाल में समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए। राजस्व प्रकरणों का निराकरण किसानों एवं भूधारकों के हित से जुड़ा हुआ विषय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का संकल्प है कि किसानों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इसी संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राजस्व महा अभियान चलाया जा रहा है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण और राजस्व संबंधी अन्य कार्यों के लिए किसी को भी परेशान नहीं होना पड़े। सभी राजस्व अधिकारी किसानों एवं अन्य भू- धारकों के हित में पूर्ण लगन, ईमानदारी, मेहनत से संवेदनशील होकर कार्य करें।

सभी राजस्व अधिकारी

परिवहन विभाग जारी कर रहा है ऑनलाइन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में वाहनों से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों पर नियंत्रण के लिये परिवहन विभाग ने वाहन प्रदूषण जांच केन्द्रों की व्यवस्था की है। विभाग ने प्रदेश में संचालित 288 जांच केन्द्रों को एनआईसी के पीयूसीसी पोर्टल के साथ इंटीग्रेट किया है। इस व्यवस्था से पारदर्शी तरीके से वाहनों के उत्सर्जन मानकों की जांच की जाकर वाहन मालिकों को ऑनलाइन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र जारी किये जा रहे हैं।

परिवहन विभाग की इस व्यवस्था से ऑनलाइन पीयूसीसी जारी होने से डाटा, वाहन पोर्टल पर सीधे प्रदर्शित होने लगा है। इस व्यवस्था से वाहन मालिकों को सुविधा मिली है। चेकिंग अधिकारी द्वारा प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र की मांग किये जाने पर वाहन मालिकों द्वारा प्रमाण-पत्र ऑनलाइन दिखाए जा रहे हैं। इस वर्ष एक मई 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक 6 महीनों में एक लाख 8 हजार से अधिक वाहनों की जांच की गई है। इसमें 3 हजार 789 वाहन प्रदूषण के मामले में दोषी पाये गये हैं। मोटरयान अधिनियम में शासकीय एवं व्यवसायिक वाहन सहित प्रत्येक वाहन को प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक है। प्रदेश में परिवहन एवं यातायात पुलिस के सक्षम अधिकारियों द्वारा इसकी नियमित रूप से जांच की जा रही है।

परिवहन विभाग ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से समस्त सरकारी वाहनों को 15 वर्ष के बाद रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी (आरव्हीएसएफ) के माध्यम से स्क्रेप कराया जाना अनिवार्य किया है। परिवहन विभाग द्वारा आरव्हीएसएफ के माध्यम से नागरिकों द्वारा अपने निजी वाहन स्क्रेप किये जाने पर और उसके बाद नवीन वाहन क्रय करने पर 15 प्रतिशत और गैर परिवहन वाहन के लिये 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है।

किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ने भोपाल में अपना तीसरा एक्सक्लूसिव शोरूम किया लॉन्च

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ने भोपाल के अरेरा कॉलोनी, 10 नंबर मार्केट में अपने तीसरे एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। यह किसना का मध्य प्रदेश में 7वां और भारत में 55वां एक्सक्लूसिव शोरूम है। इस कार्यक्रम में हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री घनश्याम ढोलकिया और किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के निदेशक श्री पराग शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे साथ ही ,मालती राय महापौर भोपाल , कृष्णा गौर राज्यमंत्री भोपाल, रामेश्वर शर्मा विधायक भोपाल मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहें ।

भव्य उद्घाटन के उपलक्ष्य में, किसना डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्जेज पर 100% तक की छूट और गोल्ड ज्वेलरी पर 20% तक की छूट की पेशकश कर रहा है। इसके साथ ही किसना के प्त अबकी बार आपके लिए "शॉप एंड विन ए कार" अभियान के तहत ग्राहकों को 100 से अधिक कार जीतने का मौका मिलेगा। ग्राहक ?20,000 या उससे अधिक की डायमंड, प्लेटिनम या सोलिटेयर ज्वेलरी और ?50,000 या उससे अधिक की गोल्ड ज्वेलरी खरीदकर इस अभियान में भाग ले सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक, श्री घनश्याम ढोलकिया ने इस मौके पर कहा "भोपाल ने हमारे शानदार कलेक्शन्स को खूब सराहा है, और इस विस्तारित शोरूम के साथ शहर में अपने ग्राहकों के पास आना हमारे लिए गर्व की बात है। यह विस्तार हमारे विजन 'हर घर किसना' के अनुरूप है, जिसमें हम भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते ज्वेलरी ब्रांड बनने का लक्ष्य रखते हैं।"

किसना डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के निदेशक, श्री पराग शाह ने कहा "हम अपने 55वें शोरूम तक पहुंचने पर गर्व महसूस कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को बेहतरीन ज्वेलरी और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भोपाल में नया शोरूम किसना की भारत में बढ़ती उपस्थिति का प्रमाण है।"

फ्रेंचाइज़ी पार्टनर, श्री सुमित अग्रवाल ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा "भोपाल में इस एक्सक्लूसिव शोरूम के माध्यम से, हम शहर के निवासियों को किसना की शानदार डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी कलेक्शन के साथ गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करेंगे।" किसना ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए इस लॉन्च इवेंट के तहत वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान शिविर, और जरूरतमंदों के लिए भोजन वितरण का आयोजन भी किया।

मंत्री सारंग ने किया सुभाष नगर में प्रस्तावित सिविल अस्पताल के निर्माण स्थल का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को नरेला प्रस्तावित सिविल अस्पताल के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ नगर निगम, पीडब्लूडी, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण कर तय समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने हेतु निर्देशित किया।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि सुभाष नगर में प्रस्तावित अस्पताल के निर्माण के लिए प्लान तैयार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह 30 बिस्तरीय सिविल अस्पताल अत्याधुनिक जांच सुविधाओं से युक्त होगा। इससे नरेला क्षेत्र के करीब 5 लाख नागरिकों को लाभ मिलेगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सुभाष नगर में 20 हजार वर्ग फीट में अस्पताल भवन का निर्माण किया जायेगा। इसमें ओ.पी.डी. , सोनोग्राफी, एक्स-रे, ड्रेसिंग रूम, प्लास्टर रूम, ओ.टी. रूम, लेबर रूम, नर्स रूम, स्टोर रूम, टेक्निशियन रूम, पैथोलॉजी लैब, एन.बी.एस.आई रूम सहित 30 बिस्तर वार्ड की सुविधाएं प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि यह सिविल अस्पताल लगभग 1 वर्ष में जनता के लिये बनकर तैयार हो जायेगा। साथ ही अगले 3 वर्षों में अस्पताल की क्षमता को बढ़ाकर 100 बिस्तरीय करने के प्लान पर भी काम किया जायेगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा में नागरिकों के स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विशेष कार्य किया गया है। इसके तहत क्षेत्र के सभी 17 वार्डों में संजीवनी क्लीनिक का निर्माण किया गया है। वहीं अब क्षेत्रवासियों की आवश्यता को दृष्टिगत रखते हुए सुभाष नगर में 30 बिस्तरीय सिविल अस्पताल की सौगात रहवासियों को मिलेगी। जहां सभी प्रकार की जांचें व इलाज नागरिकों को नि:शुल्क उपलब्ध होगा।

विराट कोहली अपने खेलने के तरीके को लेकर जुनूनी हैं : रिकी पोंटिंग

पर्थ (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले, रिकी पोंटिंग ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि कोहली एक महान क्रिकेटर हैं और खेल के प्रति बेहद भावुक हैं। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया में भी उन्हें बहुत सम्मान मिलता है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू पर कहा, कोहली एक स्टार हैं, एक सुपरस्टार हैं। वह काफी समय से खेल के सुपरस्टार रहे हैं। वह जिस तरह से खेलते हैं, उसके प्रति बहुत भावुक हैं। वह अपनी टीम के प्रति भी बहुत भावुक हैं। वह जीतना चाहते हैं और दिल से खेलते हैं। ऐसे ही सुपरस्टार खिलाड़ी दुनिया भर में उत्साह पैदा करते हैं। स्टीव स्मिथ जब इंग्लैंड जाते हैं तो उन्हें स्टेडियम में आते ही लोग सीटी बजाते हैं। ये सब अंतर्राष्ट्रीय खेलों का हिस्सा है। हालांकि, इस साल कोहली का टेस्ट मैचों में औसत सिर्फ 22.72 रहा है, जो उनके ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट औसत 54.08 और करियर औसत 47.83 से काफी कम है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में कई शानदार शतक लगाने के बाद, उम्मीद है कि वह आगामी 5 मैचों की सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। पोंटिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी का दारोमदार संभालेंगे। उन्होंने कहा, मैंने देखा था कि रवि शास्त्री ने पिछली बार एक ऐसे इंसान के बारे में बात की थी जो ऑस्ट्रेलिया में सभी गेंदों का सामना करना चाहता था।

बीसीसीआई ने अजीत अगरकर को ऑस्ट्रेलिया में रुकने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टीम इंडिया के साथ-साथ हेड कोच गौतम गंभीर की भी अग्निपरीक्षा होगी। 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज तक टीम इंडिया के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ऑस्ट्रेलिया में ही रुकेंगे। दरअसस, बीसीसीआई ने अगरकर को ऑस्ट्रेलिया में रोकने का फैसला किया है, जिसका कनेक्शन गौतम गंभीर और सीनियर खिलाड़ियों से बताया जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, अजीत अगरकर और गंभीर मिलकर काम करेंगे ताकि सुनिश्चित हो सके की सभी चीजें सही रहें और साथ ही दोनों एक राय कायम कर सकें। बता दें कि, हाल ही में टीम इंडिया ने घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 3-0 से गंवाई थी। जिसमें सीनियर खिलाड़ियों ने काफी निराशाजनक प्रदर्शन किया। वहीं कहा जा रहा है कि, टीम के सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, अश्विन और रविंद्र जडेजा के भविष् को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। ये चारों ही खिलाड़ी 35 साल से ऊपर के हैं जहां विराट और रोहित टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं वहीं बोर्ड सीनियर्स से उनके भविष्य को लेकर चर्चा करेगा। बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से बताया कि, अगरकर और गंभीर दोनों जानते हैं कि भारत में इस तरह के खराब प्रदर्शन से व्यापक आलोचना होगी, जो उचित है। ऑस्ट्रेलिया में एक लंबा दौरा है। ऐसे में दोनों एकसाथ बैठकर चर्चा कर सकते हैं कि, दौरे के बाद चीजों को कैसे आगे बढ़ाया जाए। ऐसे में प्रोसेस को लेकर दोनों को एक मत पर होना चाहिए। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज खत्म होने के ठीक बाद फोकस चैंपियंस ट्रॉफी पर हो जाएगा।

राफेल नडाल ने खेला अपना आखिरी मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने 19 नवंबर को अपना आखिरी मुकाबला खेला। इस मुकाबले में उन्हें 80वीं रैंकिंग वाले बोटिक वान डी जैडस्चुल्प ने सीधे सेटों में 6-4,6-4 से हरा दिया।इसके बाद मैच देख रहे 10,000 दर्शकों और नडाल के परिवार ने उनका खड़े होकर अभिवादन किया। ये देख नडाल की आंखों में आंसू आ गए। डेविस कप के मुकाबले में जब राष्ट्रगान हुआ, तब भी नडाल भावुक हो गए थे।पूरी खबर पर नजर डालते हैं। इस महान टेनिस खिलाड़ी ने पिछले महीने संन्यास का ऐलान किया था। 38 साल के खिलाड़ी की गिनती दुनिया के महानतम टेनिस खिलाड़ियों में होती है।नडाल (22) से ज्यादा ग्रैंड स्लैम सिर्फ नोवाक जोकोविच (24) ही जीत पाए हैं। नडाल को %लाल बजरी का बादशाह%भी कहा जाता है।नडाल ने अपने आखिरी मुकाबले के बाद सबका आभार दिया। उन्होंने मैच के बाद कहा, विश्व में मुझे इतना स्नेह प्राप्त हुआ। मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं।

नडाल ने आगे कहा, मैं पूरी स्पेनिश टीम को शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आप सभी ने मुझे डेविस कप खेलने का मौका दिया। मेरे करियर के कई भावनात्मक पल यहां मौजूद लोगों के साथ रहे हैं, हमने साथ मिलकर कई शानदार चीजें हासिल की हैं। कोई भी खिलाड़ी नहीं चाहता कि संन्यास ले, लेकिन शरीर की वजह से खेलना मुश्किल होता है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार आलराउंडर हार्दिक पंड्या अपने भाई क्रुणाल पांड्या की अगुवाई में सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में बड़ौदा के लिए खेलते नज़र आएंगे, जो कि 23 नवंबर से शुरू हो रहा है। पिछले साल क्रुणाल की अगुवाई में ही बड़ौदा की टीम सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी टूर्नामेंट के फ़ाइनल तक पहुंची थी, जहां उन्हें मोहाली में पंजाब से हार का सामना करना पड़ा था।

हार्दिक ने पिछली बार बड़ौदा के लिए 2018-19 में मुंबई के ख़िलाफ़ एक रणजी ट्रॉफ़ी मैच खेला था, वहीं सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में वह आख़िरी बार जनवरी 2016 में खेले थे। तब हार्दिक का अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू नहीं हुआ था।

पिछले महीने ही हार्दिक को मुंबई इंडियंस द्वारा रिटेन किया गया था और वह टीम के कप्तान भी बने रहेंगे। वहीं क्रुणाल को लखनऊ सुपर जायंट्स ने रिलीज़ कर दिया था और वह आईपीएल नीलामी का हिस्सा होंगे।

बड़ौदा की टीम फ़िलहाल शानदार फ़ॉर्म में है और रणजी ट्रॉफ़ी के पहले चरण में 27 अंकों के साथ वे अपने ग्रुप में शीर्ष पर हैं।

लौटारो ने अर्जेंटीना के पांचवें शीर्ष स्कोरर के रूप में माराडोना की बराबरी की

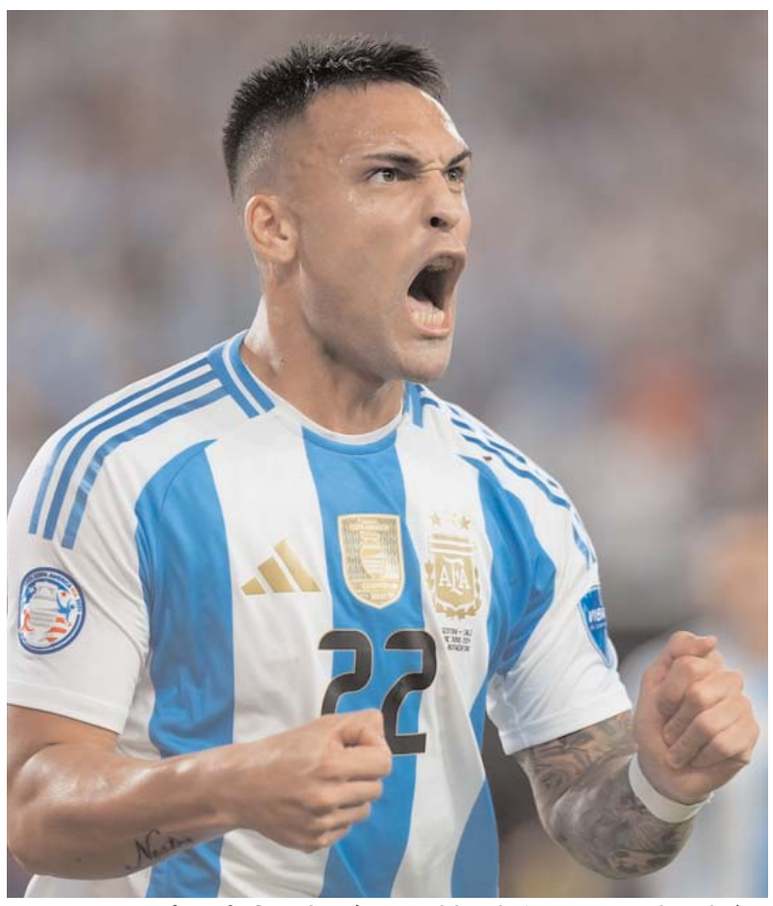

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। पेरू के खिलाफ अपने गोल की बदौलत अर्जेंटीना के इतिहास में लौटारो मार्टिनेज ने अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने डिएगो आर्मंडो माराडोना के राष्ट्रीय टीम के साथ 32 गोल की बराबरी कर ली है।

मार्टिनेज, जिनके नाम 31 गोल थे, अर्जेंटीना के इतिहास में शीर्ष स्कोरर की रैंकिंग में माराडोना (32) की बराबरी करने से एक गोल दूर थे। इस सूची में लियोनेल मेसी (112) सबसे आगे हैं।

मार्टिनेज के दूसरे हाफ में वॉली से किये गए गोल ने फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना के लिए शीर्ष स्थान को मजबूत किया, क्योंकि लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार (आईएसटी) को पेरू को 1-0 से हराया।

मार्टिनेज ने कहा,प्रदर्शन, गोल और खेले गए मैचों के मामले में यह एक शानदार साल रहा। हमें खेलते रहना है और दिन-ब-दिन सुधार करना है। हर कोई हमें हराना चाहता है। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम हमेशा नायक होती है।कुछ चीजें सुधारने की हैं, लेकिन हमें इसी राह पर चलते रहना है।

27 वर्षीय स्ट्राइकर ने बुधवार को 2024 का अपना 11वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके साथ ही वह अर्जेंटीना के लिए एक कैलेंडर वर्ष में 10 गोल करने वाले केवल तीसरे व्यक्ति बन गए, उनसे पहले गैब्रियल बतिस्तुता (1998 में 12) और मेसी (2012 में 12 और 2022 में 18) ने गोल किए थे।

इस जीत से अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जो उरुग्वे से पांच अंक आगे है। पेरू केवल सात अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर है। अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर (डब्ल्यू12 डी6) में पेरू के खिलाफ अपने पिछले 18 मैचों में अपराजित है। यह टूर्नामेंट के इतिहास में किसी एक टीम के खिलाफ एल्बीसेलेस्टे के लिए सबसे अच्छी अपराजित लकीर है। अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर (डब्ल्यू9 डी1 एल1)में अपने पिछले 11 घरेलू मैचों में से 10 में एक भी गोल नहीं खाया है। नवंबर 2023 में उरुग्वे से हार अपवाद थी (0-2)।

अर्जेंटीना के सहायक कोच वाल्टर सैमुअल ने कहा, लड़के जीतना और प्रतिस्पर्धा जारी रखने के लिए बहुत भूखे हैं। कभी-कभी ऐसा होता है जैसा कि आज हुआ, और कभी-कभी ऐसा होता है जैसा कि बोलीविया (6-0 की जीत) के खिलाफ हुआ। हम पैराग्वे के खिलाफ़ फिसल गए, लेकिन यह टीम कभी नहीं छिपती।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25: पहले टेस्ट में खेलेंगे रविचंद्रन अश्विन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा।ऐसी उम्मीद है कि इस मैदान पर भारतीय टीम सिर्फ एक स्पिन विकल्प के साथ उतरेगी। इस बीच खबर है कि रविचंद्रन अश्विन को पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा। ऐसे में रविंद्र जडेजा पर्थ टेस्ट में बेंच पर नजर आ सकते हैं।आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम में उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी के रूप में 3 बाएं हाथ के बल्लेबाज मौजूद हैं।इस दिग्गज भारतीय स्पिनर का बाएं हाथ के बल्लेबाज के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन रहा है और इसको ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन उनको मौका देने के पक्ष में हैं।अश्विन ने अपने टेस्ट करियर में 19.68 की औसत से 268 विकेट बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नितीश कुमार रेड्डी अपना टेस्ट डेब्यू करने वाले हैं। वह बतौर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर खेलते हुए नजर आएंगे।उन्होंने अब तक 23 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिसमें 21.05 की औसत के साथ 779 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 2 अर्धशतक लगाए हैं।दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 26.98 की औसत के साथ 56 विकेट अपने नाम किए हैं।ऐसी उम्मीद है कि भारतीय टीम 3 प्रमुख तेज गेंदबाजों के साथ पहले टेस्ट में उतरने वाली है।जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे।

शुभमन गिल खेलेंगे या नहीं पर्थ टेस्ट, कोच मोर्ने मोर्केल ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। उससे पहले ही भारतीय टीम के सामने कई मुसीबतें आ खड़ी हो गई हैं। कप्तान रोहित शर्मा पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे, तो शुबमन गिल को अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया। हाल ही में बताया गया कि गिल का फ्रैक्चर नहीं हुआ है और वो दूसरे मैच में खेलते हुए दिख सकते हैं। जबकि टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल के बयान ने उम्मीद जगा दी हैं कि गिल पर्थ टेट में भी खेल सकते हैं।

दरअसल, मोर्ने मोर्केल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शुभमन गिल हर एक दिन बीतने के साथ बेहतर हो रहे हैं। हो सकता है कि वो पहला टेस्ट खेलें, उन्होंने कहा कि गिल हर एक दिन बेहतर हो रहे हैं, हम 22 नवंबर की सुबह उनके खेलने या ना खेलने पर फैसला लेंगे। वो अभ्यास मैच में अच्छा खेले, इसलिए अभी कुछ नहीं कह सकते। भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 में शुभमन गिल बहुत अहम खिलाड़ी हैं। वो 2020-21 और फिर 2022-23 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी खेल चुके हैं। गिल का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि 2020-21 सीरजी में वो ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खेलने का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। उस दौरान सीरीज में गिल ने तीन मैचों की 6 पारियों में 259 रन बनाए थे। उन्होंने गाबा में खेले गए चौथे टेस्ट में 91 रन की पारी खेल टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

नीतीश रेड्डी को मिल सकता है टेस्ट में डेब्यू का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से पर्थ से होगा। वहीं इस सीरीज से पहले टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां उन्होंने टीम इंडिया से जुड़े कई मुद्दों पर बात की और पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए।

इस दौरान कोच मोर्न मोर्कल ने पर्थ टेस्ट में 21 वर्षीय ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी के डेब्यू के संकेत भी दिए। आंध्र प्रदेश के ऑलराउंडर नीतीश ने पिछले कुच समय में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।

मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मोर्न मोर्कल ने रेड्डी को लेकर कहा कि, वह युवा खिलाड़ियों में से एक है। ऑलराउंडर्स की काबिलियत है। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो हमारे लिए एक छोर संभाल सकते हैं, खासकर पहले कुछ दिनों तक। दुनिया की हर टीम एक ऐसा ऑलराउंडर को चाहती है जो तेज गेंदबाजों की मदद कर सके। ये बुमराह पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल करते हैं। निश्चित रूप से इस सीरीज में उन पर नजर रखनी होगी।

नीतीश तेज गेंदबाजी करने के अलावा अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं और इसी वजह से चयन समिति ने चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले शार्दुल ठाकुर पर उन्हें प्राथमिकता दी है। नीतीश के पास अपनी काबिलियत साबित करने करने का ये बेहतरीन मौका होगा। दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्रा के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली 18 सदस्यी भारतीय टीम में पहली बार शामिल किया गया है।

आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के समग्र विकास का बड़ा कदम

मध्यप्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, उज्जैन का भूमिपूजन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

21 नवम्बर, 2024 | अपराह्न 2:00 बजे
सामाजिक न्याय परिसर उज्जैन, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मेडिकल कॉलेज में सुविधाएं

550 बिस्तरीय शिक्षण अस्पताल

24x7 आपातकालीन सेवा

150 एम.बी.बी.एस. सीट की प्रवेश क्षमता

जनरल एवं सुपर स्पेशलिटी ओपीडी

मेडिसिटी में सुविधाएं

- सुपर-स्पेशलिटी एवं मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल
- डायग्नोस्टिक सेंटर, फार्मेसी
- चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
- विभिन्न उपचार हेतु वेलनेस केन्द्र
- आयुष अस्पताल
- पैरामेडिकल कॉलेज
- एकीकृत एवं समग्र स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा
- ईको-फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर
- स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा

D11103/24 सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP #MediCityUjjain

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।